सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-206 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 14 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

सु-विचार

" सब समय का खेल है जितने भी प्लानिंग कर लिजिए होता, वही है जो समय चाहता है...!!

अज्ञात...

भिलाई विधायक देवेंद्र यादव का धमाकेदार इंटरव्यू : "भिलाई मेरी आत्मा, आखिरी सांस तक यहीं से चुनाव लडूंगा"

जेल यात्रा, बलौदाबाजार हिंसा, भिलाई बचाओ आंदोलन और भावी राजनीति पर रखी बेबाक राय

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-रायपुर

छत्तीसगढ़ राजनीति के युवा चेहरों में शुमार भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने *सांध्य दैनिक "नई दृष्टिबिंदु" के यूट्यूब चैनल के पॉडकास्ट* में अपनी राजनीतिक यात्रा, जेल के अनुभवों और शहर से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बात की। इंटरव्यू में उन्होंने बलौदाबाजार हिंसा, भिलाई स्टील प्लांट के भविष्य और भाजपा सरकार पर भी तीखे सवाल उठाए। बातचीत *"नई दृष्टिबिंदु के संवाददाता सत्यम सिंह"* ने की।

25 की उम्र में महापौर, 28 की उम्र में बने विधायक

देवेंद्र यादव ने बताया कि वे स्वेच्छा से राजनीति में नहीं आए। स्कूली दिनों में हाउस कैप्टन बनने से नेतृत्व की शुरूआत हुई। राहुल गांधी द्वारा शुरू की गई लोकतांत्रिक प्रक्रिया का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसी व्यवस्था ने एक सामान्य परिवार के युवा को बिना किसी सिफारिश के चुनाव लड़ने और आगे बढ़ने का मौका दिया।

NEET आंदोलन और 'कुर्ता फाड़' विवाद पर सफाई

नीट परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 'कुर्ता फाड़ने' के आरोपों पर उन्होंने कहा कि विरोध के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा खींचे जाने से कपड़े फट गए थे। उन्होंने दावा किया कि नीट मुद्दे पर छत्तीसगढ़ के युवाओं ने देश का सबसे पहला और बड़ा आंदोलन किया था, जिसकी गूंज दिल्ली तक पहुंची।

भाजपा सरकार पर हमला

प्रदेश की भाजपा सरकार को "कंफ्यूज्ड और बिखरी हुई सरकार" बताते हुए उन्होंने कहा कि डबल-ट्रिपल इंजन की बात करने वाली सरकार में फैसले कहां से हो रहे हैं, यह खुद विधायकों और मंत्रियों को समझ नहीं आ रहा। तंज कसते हुए कहा कि भाजपा में पुराने नेताओं को सिर्फ 'पानी पिलाने' तक सीमित कर दिया गया है।

बलौदाबाजार मामला और 8 महीने जेल

बलौदाबाजार हिंसा और 8 महीने जेल में रहने पर उन्होंने कहा कि सतनाम पंथ 'मनखे-मनखे एक समान' के सिद्धांत पर आधारित है और वहां जाना किसी गलत भावना से नहीं था। "मैं सरकार के मुकदमों और साजिशों से डरने वाला नहीं हूं। इन केसेस ने मुझे और निडर बना दिया है," उन्होंने कहा। जेल को उन्होंने अकेलेपन और आत्म-मंथन का समय बताया, जिसे सकारात्मक सीख के रूप में लिया।

'भिलाई बचाओ यात्रा' और BSP का भविष्य

बीएसपी और टाउनशिप को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के तहत ढस्व को खत्म करने की साजिश है। BSP में नियमित कर्मचारियों की संख्या घट रही है और टाउनशिप की जमीन प्राइवेट बिल्डर्स को सौंपने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा, "भिलाई की तीन पीढ़ियों के अस्तित्व के लिए सड़क पर लड़ाई जारी रहेगी। भिलाई को उजड़ने नहीं देंगे।"

बिलासपुर की अटकलों पर विराम, भूपेश बघेल पर बयान

बिलासपुर से चुनाव लड़ने की चचार्ओं को खारिज करते हुए कहा, "भिलाई मेरी आत्मा है। मैंने आखिरी सांस तक भिलाई से ही चुनाव लड़ने का फैसला किया है।" अन्य जिलों का दौरा सिर्फ 2028 में कांग्रेस सरकार लाने के लिए संगठन मजबूत करने के उद्देश्य से है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से दूरियों की खबरों को नकारते हुए उन्हें वरिष्ठ संरक्षक बताया। PCC चीफ या मुख्यमंत्री पद की चचार्ओं पर कहा कि 36 साल की उम्र में वे अभी सीख रहे हैं। अभी लक्ष्य संगठन को पुनर्गठित कर पार्टी को मजबूत करना है।

"रिश्ते में इमोशन सबसे जरूरी, नो-इंटरफेरेंस रखता है बॉन्ड मजबूत"

पॉडकास्ट में देवेंद्र यादव ने Love Life और युवाओं को दिए रिलेशनशिप टिप्स

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु के यूट्यूब पॉडकास्ट में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने अपनी लव लाइफ और रिश्तों को लेकर बेबाक बातें रखीं। उन्होंने कहा कि उनका वैवाहिक जीवन किसी 'सक्सेस स्टोरी' से ज्यादा गहरे 'इमोशन' पर टिका है।

रिश्ते को लेकर 3 अहम बातें बताई

गहरी भावना: उन्होंने कहा कि पत्नी के साथ उनका रिश्ता सफलता की कहानी नहीं, बल्कि एक मजबूत भावनात्मक जुड़ाव है।

नो-इंटरफेरेंस: रिश्ते की सबसे खास बात यह है कि दोनों ने कभी एक-दूसरे के काम या व्यक्तिगत जीवन में दखल नहीं दिया। न गैर-जरूरी सवाल-जवाब, न रोक-टोक।

बिना शर्त साथ: उनका मानना है कि जब आप किसी के साथ बिना किसी चाहत या स्वार्थ के रहते हैं, तो जिंदगी और रिश्तों का सफर बेहद सुहाना हो जाता है।

युवाओं के लिए Love & Relationship Advice

पॉडकास्ट में विधायक ने युवाओं को रिश्ते निभाने के 4 मंत्र भी दिए:

1. इमोशंस की कद्र करें: आज के समय में रिश्ते टिकाने के लिए सबसे जरूरी है एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना।

2.अच्छाई-बुराई के साथ स्वीकारें: सच्चा रिश्ता वही है जिसमें आप सामने वाले को उसकी कमियों और खूबियों दोनों के साथ अपनाते हैं। रिश्ते सिर्फ अच्छाइयां देखकर नहीं बनते।

3. सक्सेस और इमोशन का बैलेंस: सफलता की कोई सीमा नहीं, लेकिन असली संतुष्टि तब मिलती है जब लाइफ में करियर के पैशन के साथ इमोशंस का भी बैलेंस हो।

4. मिडिल वे अपनाएं: भागदौड़ भरी जिंदगी में सच्चे रिश्तों और प्यार को बनाए रखने के लिए जीवन में मध्यम मार्ग और संतुलन जरूरी है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि राजनीति की व्यस्तता के बीच भी रिश्तों में स्पेस और सम्मान बनाए रखना ही लंबे और मजबूत रिश्ते की कुंजी है।

▶▶ विधायक देवेंद्र यादव ने नई दृष्टि बिंदु को सराहा
▶▶ दर्शकों से की सब्सक्राइब करने की अपील

"रियल न्यूज ही समाज का भला कर सकती है"

भिलाई। सांध्य दैनिक नई दृष्टि बिंदु के यूट्यूब पॉडकास्ट में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने चैनल की पत्रकारिता की तारीफ की और दर्शकों से इसे ज्यादा से ज्यादा देखने और सब्सक्राइब करने की अपील की।

पॉडकास्ट के दौरान देवेंद्र यादव ने कहा, "मैं नई दृष्टि बिंदु के सभी दर्शकों और बाकी लोगों से कहना चाहता हूं कि हम आलोक तिवारी जी को शुरूआती दिनों से देख रहे हैं। वे बेहद सीनियर जर्नलिस्ट हैं। उनकी जो युवाओं और त्रील्ल-े की टीम है, वह बड़े मोटिवेशन और कड़ी मेहनत के साथ काम कर रही है।"

"सच की पत्रकारिता जरूरी"

उन्होंने इंसाफ और सच की पत्रकारिता पर जोर देते हुए कहा कि जब तक समाज में लोगों तक 'रियल न्यूज' नहीं पहुंचेगी, तब तक हम समाज और सोसाइटी का भला नहीं कर सकते। चैनल द्वारा किए जा रहे काम को सराहते हुए उन्होंने पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं।

दर्शकों से अपील

देवेंद्र यादव ने अपील करते हुए कहा, "चैनल बहुत अच्छा काम कर रहा है। मैं सभी दर्शकों से अनुरोध करता हूं कि आप ज्यादा से ज्यादा संख्या में नई दृष्टि बिंदु चैनल को सब्सक्राइब करें और देखें।" विधायक ने कहा कि युवाओं की टीम द्वारा जमीनी मुद्दों को उठाना और निष्पक्ष खबरें दिखाना आज के समय में बेहद जरूरी है।

▶▶ भिलाई । **मंगलवार की रात 11 बजे से शुरु हुए सांध्य दैनिक "नई दृष्टिबिंदु" के यूट्यूब चैनल की Jen-z टीम पूरी ऊर्जा के साथ पॉडकास्ट में विधायक देवेन्द्र यादव के साथ तस्वीरें ली।**

आईपीएस रतनलाल डांगी के खिलाफ गंभीर आरोपों का मामला बिलासपुर हाईकोर्ट पहुंचा

पीड़िता ने जांच अधिकारी बदलने और वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच की लगाई गुहार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी के खिलाफ लगे गंभीर आरोपों का मामला अब छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट पहुंच गया है। पीड़ित महिला ने अधिवक्ता अभिषेक पांडेय के माध्यम से रिट याचिका दायर कर मामले की जांच किसी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी से कराने की मांग की है। याचिका में वर्तमान जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए न्यायालय से हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है।

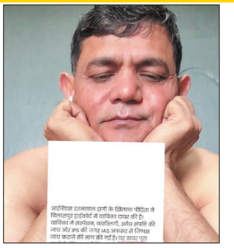

किन्हें बनाया गया पक्षकार

याचिका में केंद्र सरकार, छत्तीसगढ़ शासन, मुख्य सचिव, गृह विभाग, डीजीपी सहित कई अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है। इसके साथ ही तत्कालीन एडीजीपी आनंद छाबड़ा को जांच अधिकारी, तत्कालीन आईजीपी मिलना कुर्रे को सहायक जांच अधिकारी और आईपीएस रतनलाल डांगी को भी प्रतिवादी बनाया गया है।

निष्पक्ष जांच पर उठे सवाल

याचिका में कहा गया है कि मामले की जांच का जिम्मा तत्कालीन आईजी आनंद छाबड़ा को सौंपा गया है। पीड़िता का तर्क है कि आनंद छाबड़ा और रतनलाल डांगी समान रैंक के अधिकारी रहे हैं, इसलिए निष्पक्ष जांच प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा आनंद छाबड़ा का नाम ऑनलाइन महादेव सट्टा ऐप से जुड़े चर्चित मामले में भी सामने आ चुका है, लिहाजा उनसे स्वतंत्र जांच की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

याचिका में यह भी कहा गया कि तत्कालीन एआईजी मिलना कुर्रे जांच अधिकारी की अधीनस्थ थीं। ऐसे में उन्हें सहायक जांच अधिकारी बनाए जाने पर आपत्ति जताई गई है। याचिकाकर्ता ने जांच किसी वरिष्ठ महिला आईपीएस अधिकारी को सौंपने की मांग की है।

संपत्ति और निलंबन को लेकर भी मांग

याचिका में उल्लेख किया गया है कि इतने गंभीर आरोपों के बावजूद संबंधित आईपीएस अधिकारी को अब तक निलंबित नहीं किया गया। पीड़िता ने रतनलाल डांगी द्वारा छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अर्जित कथित अवैध संपत्तियों की भी स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो सेवा नियमों के तहत उचित कार्रवाई की जाए। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट से आग्रह किया है कि मामले की जांच किसी स्वतंत्र एवं वरिष्ठ अधिकारी से कराई जाए ताकि पारदर्शिता बनी रहे। अब इस मामले पर हाईकोर्ट में सुनवाई की संभावना है।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के एशिया प्रमुख डॉ. मनीष बिश्नोई से बेमेतरा जिला अध्यक्ष हरदीप सिंह राजा छाबड़ा ने की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

समाजसेवा व जनहितकारी कार्यों पर हुई चर्चा

बेमेतरा जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी हरदीप सिंह राजा छाबड़ा ने रायपुर स्थित सिमरन इंटरनेशनल होटल में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के एशिया प्रमुख डॉ. मनीष बिश्नोई से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान हरदीप सिंह राजा छाबड़ा ने डॉ. मनीष बिश्नोई को बेमेतरा सहित छत्तीसगढ़ में किए जा रहे विभिन्न सामाजिक एवं जनसेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता, धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में सहभागिता तथा समाजहित में किए जा रहे सेवा कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

समाज सेवा और युवा भागीदारी पर विचार-विमर्श : मुलाकात में समाज सेवा, युवा वर्ग की सकारात्मक भागीदारी, जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक कार्यों को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। डॉ. मनीष बिश्नोई ने हरदीप सिंह राजा छाबड़ा द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं सेवा कार्यों की सराहना की और समाजहित में निरंतर कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

सेवा ही मानवता का कर्तव्य : हरदीप सिंह राजा छाबड़ा ने कहा कि समाज सेवा केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है। जरूरतमंदों की सहायता और समाज के उत्थान के लिए निरंतर प्रयास करना ही सच्ची सेवा है। इस अवसर पर दोनों के बीच सामाजिक क्षेत्र में भविष्य में सकारात्मक एवं जनहितकारी कार्यों को लेकर भी चर्चा हुई।

अवकाश सूचना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु में 15 अगस्त को अवकाश रहेगा। 16 अगस्त की शाम अगले अंक के साथ आपके बीच होंगे

प्रधान संपादक

हेमचंद यादव विवि में UTD का शुभारंभ, नवनियुक्त अतिथि शिक्षकों ने विधायक देवेंद्र यादव से की भेंट

एमएससी की 5 विषयों में कक्षाएं होंगी शुरू, प्रवेश प्रक्रिया जारी, पूरी लगन और समर्पण से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें- यादव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रारंभ होने जा रहे विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग की तैयारियों के संबंध में नवनियुक्त अतिथि शिक्षकों ने भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव से सौजन्य भेंट की।

विश्वविद्यालय की स्थापना के लगभग 10 वर्ष बाद पहली बार नियमित शिक्षण विभाग शुरू किया जा रहा है। प्रथम चरण में एम.एससी. गणित, एम.एससी. भौतिकी, एम.एससी. रसायन विज्ञान, एम.एससी. वनस्पति विज्ञान एवं एम.एससी. प्राणी विज्ञान की कक्षाएं लगेंगी। इन पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए राज्य शासन की अतिथि व्याख्याता नीति-2024 के तहत मई-जून 2026 में 15 अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।

तैयारियां पूरी, जल्द शुरू होंगी कक्षाएं

अतिथि शिक्षकों ने विधायक को बताया कि नियमित विभाग प्रारंभ होने से पहले नवनिर्मित भवन में कक्षों का निर्धारण, प्रयोगशालाओं का सेटअप, पाठ्यक्रम निर्धारण, वार्षिक शैक्षणिक कैलेंडर, आंतरिक मूल्यांकन की समय-सारिणी और प्रवेश प्रक्रिया जैसी व्यापक तैयारियां की गईं। विश्वविद्यालय प्रशासन और शिक्षकों के समन्वित प्रयासों से सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली गई हैं। वर्तमान में प्रवेश प्रक्रिया जारी है और जल्द ही नियमित कक्षाएं प्रारंभ होंगी।

विधायक ने दिया सहयोग का भरोसा

विधायक देवेंद्र यादव ने शिक्षकों से चर्चा करते हुए UTD के शुभारंभ को क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा को और प्रभावी बनाने के लिए हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। श्री यादव ने नवनियुक्त अतिथि शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे पूरी लगन और समर्पण से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। उन्होंने विश्वास जताया कि शिक्षकों के परिश्रम और विद्यार्थियों की प्रतिभा से विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

खास खबर

फिटनेस किंग जिम के बलजीत और सिमरप्रीत ने बेंच प्रेस में जीता गोल्ड

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लहराया भिलाई का परचम

"पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़" द्वारा रायपुर में 6 से 9 अगस्त तक आयोजित राज्य स्तरीय बेंच प्रेस प्रतियोगिता में फिटनेस किंग जिम के दो खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दो गोल्ड मेडल जीतकर भिलाई का नाम रोशन किया। सब जूनियर वर्ग की बेंच प्रेस स्पर्धा में बलजीत सिंह और सिमरप्रीत कौर ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

दोनों खिलाड़ी पिछले कई महीनों से फिटनेस किंग जिम में कोच धर्मवीर सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे हैं। कोच रोजाना 3 घंटे का कठिन अभ्यास कराते हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कोच धर्मवीर सिंह ने कहा कि फिटनेस किंग जिम से निकले खिलाड़ी आगे भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे और भिलाई, जिले के साथ-साथ पूरे प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा करेंगे। बलजीत और सिमरप्रीत की जीत पर डॉ. दर्शन सिंह, फतेहवीर सिंह, लक्ष्मी देवी और दिलावर सिंह ने उन्हें बधाई दी है और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

"संसार का सबसे बड़ा तप ब्रह्मचर्य है" : राष्ट्रसंत मणिभद्र मुनि जी महाराज

आचार्य सम्राट आनंदऋषि की 126वीं जयंती 16 को, 1008 सामायिक का लक्ष्य

दुर्ग। जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब दुर्ग में चल रहे आध्यात्मिक वर्षावास के अंतर्गत आयोजित धर्मसभा में राष्ट्रसंत मानव मिलन के संस्थापक मणिभद्र मुनि जी महाराज ने कहा कि संसार का सबसे बड़ा तप ब्रह्मचर्य है। ब्रह्मचर्य का अर्थ केवल इंद्रियों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि आत्मा में रमण करना है। जब मनुष्य बाहरी आकर्षणों से हटकर अपनी आत्मिक शक्ति को पहचानता है, तभी जीवन सार्थक बनता है। मुनिश्री ने कहा कि साधु को केवल आदेश नहीं, उनके संदेश को आत्मसात करना चाहिए। संतों के जीवन और उपदेशों को आचरण में उतारने से ही मानव जीवन भवसागर से पार हो सकता है। धर्म केवल सुनने का विषय नहीं, उसे जीवन में उतारने का माध्यम है। इस अवसर पर उन्होंने आचार्य सम्राट आनंदऋषि जी महाराज के सानिध्य में बिताए अपने जीवन के प्रेरणादायी संस्मरण भी साझा किए।

क्रोध, ईर्ष्या और निंदा पर साध्वी सुजना श्री का प्रवचन: धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वी डॉक्टर सुजना श्री ने कहा, "जो स्वयं जलता है और दूसरों को जलाता है, वह क्रोध है। जो स्वयं जलता है, लेकिन दूसरों को नहीं जलाता, वह ईर्ष्या है। जो स्वयं नहीं जलता, लेकिन दूसरों को जलाता है, वह निंदा है। और जो स्वयं भी नहीं जलता तथा दूसरों को भी नहीं जलाता, वही क्षमाशील व्यक्ति है।" उन्होंने कहा कि क्रोध पर विजय क्रोध से नहीं, क्षमा से मिलती है। जितनी अधिक तुलना करेंगे, उतनी ईर्ष्या बढ़ेगी। इसलिए अपनी क्षमताओं और आत्मिक विकास पर ध्यान देना चाहिए। निंदा से पहले स्वयं का निरीक्षण करना जरूरी है।

16 अगस्त को जयंती, 1008 सामायिक का संकल्प: आचार्य सम्राट श्री आनंदऋषि जी महाराज की 126वीं जन्म जयंती 16 अगस्त को मनाई जाएगी। इस अवसर पर 1008 सामायिक का लक्ष्य रखा गया है। मुनिश्री ने श्रावक-श्राविकाओं से अधिक से अधिक संख्या में सामायिक कर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आचार्य सम्राट को सच्ची श्रद्धांजलि उनके बताए मार्ग पर चलकर संयम, साधना और आत्मचिंतन अपनाने से होगी। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं।

भिलाई इस्पात संयंत्र में सेल-प्रबंध प्रशिक्षु (टेक्निकल)-2026 का सेन्ट्रल इंडक्शन शुरू

सीएमडी डॉ. एके पंडा : प्रतिस्पर्धी दौर में नवाचार और तकनीकी उन्नयन ही सफलता की कुंजी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड SAIL के प्रबंध प्रशिक्षु (टेक्निकल)-2026 का सेन्ट्रल इंडक्शन कार्यक्रम मंगलवार को भिलाई निवास में शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने किया।

इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) के.के. सिंह, निदेशक प्रभारी (बीएसपी) चित्त रंजन महापात्र सहित सेल और भिलाई इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निदेशक (माइनिंग) मनीष राज गुप्ता, निदेशक प्रभारी (आरएसपी) आलोक वर्मा, निदेशक प्रभारी (आईएसपी एवं डीएसपी) सुरजीत मिश्रा, निदेशक प्रभारी (बीएसएल) प्रिय रंजन, निदेशक (वाणिज्यिक) टी.एन. नटराजन तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी दिलीप कुमार ने वर्चुअल माध्यम से प्रशिक्षुओं को बधाई दी और अनुभव साझा किए।

11 दिवसीय प्रशिक्षण के बाद होगी पदस्थापना

नवनियुक्त प्रबंध प्रशिक्षु भिलाई इस्पात संयंत्र में 11 दिवसीय सेन्ट्रल इंडक्शन प्राप्त करेंगे। इसके बाद वे सेल के विभिन्न इस्पात संयंत्रों और इकाइयों में कार्यभार ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम में ग्लिम्प्सेस फ्रॉम ऑन-बोर्डिंग ऑफ सेल एमटी-2026 और इंट्रोडक्शन टू सेल नामक वीडियो के माध्यम से प्रशिक्षुओं को संगठन की विकास यात्रा और कार्य परिवेश से अवगत कराया गया।

सीएमडी ने नवाचार पर दिया बल

डॉ. पंडा ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सेल ने एकाधिकार वाले बाजार से निकलकर आज अत्यंत प्रतिस्पर्धी खुले बाजार में अपनी पहचान बनाए रखी है। ऐसे दौर में केवल नवाचार, कार्यप्रणाली में सुधार और तकनीकी उन्नयन से ही आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने युवाओं से लागत प्रभावी उत्पादन, सुरक्षा, उपकरणों के बेहतर प्रदर्शन और मानव संसाधन प्रथाओं में सुधार के लिए नए उपाय तलाशने का आह्वान किया। साथ ही निरंतर सीखने और अतिरिक्त योग्यता हासिल करने की सलाह दी।

मनचाहा सेल बनाने का आह्वान

निदेशक (कार्मिक) केके सिंह ने कहा कि प्रशिक्षुओं ने ऐसे समय में प्रवेश किया है जब विश्व के भविष्य के इस्पात उत्पादन में भारत की अहम भूमिका होगी। उन्होंने प्रशिक्षुओं से उस सेल के निर्माण में योगदान देने को कहा जैसा वे देखना चाहते हैं। निदेशक प्रभारी (बीएसपी) चित्त रंजन महापात्र ने प्रशिक्षुओं से हर दिन को सीखने का दिन बनाने और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कार्बन उत्सर्जन कम कर नेट जीरो लक्ष्य में योगदान देने का भी आग्रह किया।

कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। 52 सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन-एमटीआई रांची) संजय धर ने प्रस्तुत की। संचालन DGM नीरजा शर्मा ने किया और आभार महाप्रबंधक प्रभारी एसके श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

हरेली पर विधायक देवेंद्र यादव ने परिवार के साथ की पूजा-अर्चना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के पहले और प्रमुख लोकपर्व हरेली तिहार पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने अपने परिवार के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हरेली पर्व मनाया। उन्होंने अपने निवास के द्वार पर नीम की पत्तियों वाली डालियां लगाईं और घर में रखे खेती-किसानी में उपयोग होने वाले जरूरी औजारों एवं सामग्रियों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। देवेंद्र यादव ने हरेली तिहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरेली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, कृषि परंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी मिट्टी, खेती-किसानी और पारंपरिक जीवनशैली से जोड़ता है। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और अच्छी फसल की कामना की।

परिवार के सदस्यों के साथ उन्होंने पूरे विधि-विधान से कृषि कार्य में उपयोग होने वाले औजारों और अन्य सामग्रियों की पूजा की। इसके बाद छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुसार चिला का भोग लगाया गया और परिवार के साथ प्रसाद ग्रहण किया। हरेली के अवसर पर घर के प्रवेश द्वार पर नीम की डालियां लगाने की पारंपरिक रस्म भी निभाई गई। विधायक ने कहा कि हमारी लोकपरंपराओं में प्रकृति, स्वास्थ्य और कृषि का गहरा संबंध रहा है। नई पीढ़ी को भी इन परंपराओं और संस्कृति से जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति और लोकपरंपराओं से है। हरेली जैसे पर्व हमारी इसी पहचान को मजबूत करते हैं और समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और खुशहाली का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

"कार्य और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन से बनेगा तनावमुक्त कार्यस्थल"

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ब्रह्माकुमारीज के राष्ट्रीय अभियान के तहत भिलाई की इकाइयों में संगोष्ठियां

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के साइंटिस्ट एंड इंजीनियर्स विंग द्वारा आयोजित पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत भिलाई की विभिन्न औद्योगिक, शैक्षणिक एवं सुरक्षा इकाइयों में कार्य एवं व्यक्तिगत जीवन में संतुलन विषय पर विशेष संगोष्ठियों का आयोजन किया गया।

सहयोग और सम्मान से बने सौहार्दपूर्ण माहौल: संगोष्ठियों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता वरिष्ठ राजयोग शिक्षिकाएं बीके अंजलि, बीके प्राची एवं बीके तारिका दीदी ने कहा कि जहां हम प्रतिदिन 8 से 12 घंटे कार्य करते हैं, वह केवल कार्यस्थल नहीं बल्कि सृजन और व्यक्तित्व निर्माण का स्थान भी है। इसलिए कार्यस्थल को परिवार की भावना से जोड़ते हुए सहकर्मियों के प्रति अपनत्व, सम्मान और सहयोग की भावना रखनी चाहिए। छोटे पद पर कार्य करने वाले कर्मचारी को भी केवल पद के आधार पर नहीं, बल्कि सहकर्मी के रूप में सम्मान देना चाहिए।

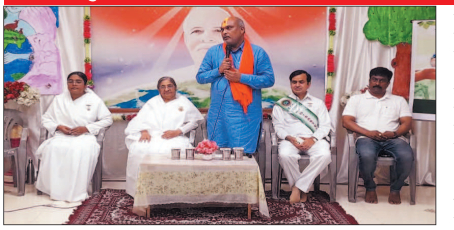

उन्होंने कहा कि कार्यस्थल के वातावरण को सौहार्दपूर्ण, प्रेरणादायी, तनावमुक्त एवं सकारात्मक बनाए रखना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। वास्तविक परिवर्तन परिस्थितियों से नहीं, बल्कि अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाने से आता है। "स्व-प्रबंधन ही तनाव प्रबंधन है और सकारात्मक जीवन की वास्तविक कुंजी भी यही है।" वक्ताओं ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्य के साथ-साथ व्यक्तिगत जीवन, परिवार, मानसिक शांति एवं आत्मिक संतुलन बनाए रखने के लिए राजयोग एवं सकारात्मक चिंतन को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

BSP, NSPCL, CISF सहित कई इकाइयों में आयोजन: यह अभियान भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट मिल, एसएमएस-2 एवं कोक ओवन, एनएसपीसीएल, सीआईएसएफ थर्ड बटालियन, उतई तथा भिलाई के विभिन्न सेवा केंद्रों में संगोष्ठियों के माध्यम से आगे बढ़ाया गया। कार्यक्रमों में एनएसपीसीएल के ईडी नील कुमार शर्मा, भिलाई इस्पात संयंत्र के ईडी पवन कुमार तथा दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सहित विभिन्न संस्थानों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संगोष्ठी में दिए गए सुझावों को अपने कार्यस्थल एवं व्यक्तिगत आचरण में अपनाने का संकल्प लिया।

छत्तीसगढ़-एमपी में चल रहा राष्ट्रीय अभियान: ज्ञात हो कि पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर में राज्यपाल रमन डेका द्वारा किया गया था। यह अभियान छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न कार्यक्षेत्रों एवं संस्थागत इकाइयों तक पहुंचकर संगोष्ठियों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, तनावमुक्त जीवन एवं बेहतर कार्यप्रणाली के लिए जन-जागरूकता का कार्य कर रहा है।

सम्मान

डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपॉजिटरी परियोजना में देशभर में मिला तृतीय स्थान, गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों को मिली नई पहचान

छग के शिक्षक पंकज सिंह राजपूत को संस्कृति मंत्रालय का राष्ट्रीय सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने के बीच छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण आया है। दुर्ग जिले के CCRT प्रशिक्षित शिक्षक पंकज सिंह राजपूत को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित 'डिजिटल डिस्ट्रिक्ट रिपॉजिटरी - DDR' परियोजना में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन में उन्हें देशभर में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें सम्मानित किया।

गुमनाम नायकों को मिली डिजिटल पहचान

"आजादी का अमृत महोत्सव" के तहत 2021 में शुरू हुई DDR परियोजना का उद्देश्य प्रत्येक जिले के गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों, ऐतिहासिक घटनाओं, सांस्कृतिक धरोहरों और लोक परंपराओं का वैज्ञानिक शोध एवं डिजिटल संरक्षण करना था। श्री राजपूत ने दुर्ग जिले में वर्षों तक शोध कर स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों से भेंट की, पुराने सरकारी अभिलेख खंगाले और स्थानीय इतिहासकारों से चर्चा कर तथ्यों का सत्यापन किया। उनके द्वारा संकलित प्रामाणिक जानकारियों को संस्कृति मंत्रालय के आधिकारिक डिजिटल पोर्टल पर संरक्षित किया गया, जिससे छत्तीसगढ़ के गुमनाम नायकों को राष्ट्रीय पहचान मिली।

पूरे छत्तीसगढ़ से तीनों चयनित शिक्षक दुर्ग के

राष्ट्रीय सम्मान समारोह की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि पूरे छत्तीसगढ़ से चयनित तीनों शिक्षक दुर्ग जिले से हैं।

1. **पंकज सिंह राजपूत** - शासकीय प्रोन्नत प्राथमिक शाला टिकरापारा खुरसुल
2. **टिकेश्वर प्रसाद गजपाल** - शासकीय हाई स्कूल आगेसरा
3. **राघवेन्द्र कुमार ध्रुव** - शासकीय प्राथमिक शाला उमरपोटी

राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त करना राज्य के शिक्षकों की शोध क्षमता और ऐतिहासिक चेतना का प्रमाण है।

1470 से अधिक स्वतंत्रता सेनानियों का दस्तावेजीकरण

इस राष्ट्रीय परियोजना के अंतर्गत देशभर में लगभग 1470 स्वतंत्रता सेनानियों और संघर्ष गाथाओं का दस्तावेजीकरण किया गया। इनमें से 1032 से अधिक प्रमाणित प्रविष्टियां संस्कृति मंत्रालय के डिजिटल पोर्टल पर संरक्षित की गई हैं। यह संग्रह अब शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय धरोहर बन गया है।

नई शिक्षा नीति को मिली मजबूती

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र CCRT, नई दिल्ली द्वारा संचालित इस परियोजना ने नई शिक्षा नीति-2020 की भावना को साकार किया। इसने सिद्ध किया कि शिक्षक केवल कक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के शोधकर्ता और राष्ट्रीय विरासत के संरक्षक भी हो सकते हैं।

चुनौतियों के बीच पूरा हुआ काम

श्री राजपूत ने बताया कि शोध के दौरान कई चुनौतियां आईं। कई जगह प्रामाणिक अभिलेख नहीं मिले, सरकारी रिकॉर्ड और जनश्रुतियों में अंतर था। इसके बावजूद धैर्य और समर्पण से महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों का डिजिटल संरक्षण संभव हुआ। नई दिल्ली के CCRT, द्वारका में हुए समारोह में इनका के अध्यक्ष राम बहादुर राय सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया।

कुरूद में आज निकलेगी भव्य 'तिरंगा यात्रा'

देशभक्ति के रंग में सराबोर होगा बाजार वार्ड, हाथ में तिरंगा लेकर निकलेगा जुलूस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कुरूद में भव्य 'तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजक भानु प्रताप सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ, भिलाई ने बताया कि यह यात्रा देश की एकता, अखंडता और गौरव का संदेश देने के उद्देश्य से निकाली जाएगी।

यात्रा का विवरण इस प्रकार है 14 अगस्त 2026, गुरुवार की शाम शाम 3:00 बजे से प्रारंभ होगी जो कुरूद बाजार वार्ड नंबर 22, ढांचा भवन, साईं मंदिर, फेस-2, फेस-1 से होते हुए भगवा चौक में समापन होगी। यात्रा के दौरान हजारों नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम्" के नारों के साथ शामिल होंगे।

आयोजकों ने कुरूद के समस्त प्रबुद्ध नागरिकों, युवाओं, सामाजिक संगठनों और राष्ट्रभक्तों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस राष्ट्रीय पर्व को ऐतिहासिक बनाएं। आयोजकों का कहना है कि आपकी गरिमामयी उपस्थिति तिरंगा यात्रा की शोभा बढ़ाएगी।

हल्द्वानी में खड़गे की रैली के बाद 'शुद्धिकरण' पर बवाल

राज्यसभा में हंगामा, खड़गे बोले दलित होने पर अपमान', नड्डा बोले- 'बीजेपी का कोई संबंध नहीं, होगी जांच'

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद मंच पर कराए गए कथित 'हवन व शुद्धिकरण' का मामला बुधवार को संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन राज्यसभा में गूंजा। खड़गे ने इसे दलित अपमान बताया, जबकि भाजपा और सरकार ने घटना से पल्ला झाड़ते हुए जांच कराने की बात कही। हंगामे के कारण सत्र समाप्ति पर भी सदन में शोर-शराबा रहा।

क्या है पूरा विवाद : अगले साल होने वाले उत्तराखंड विधानसभा चुनावों के मद्देनजर 8 अगस्त को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस की विशाल जनसभा हुई थी। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए थे और भारी भीड़ जुटी थी। रैली के दो दिन बाद 10 अगस्त को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें 'श्री राम सेना धर्मार्थ सेवान्यास' के लोग उसी रामलीला मैदान में हवन और मंत्रोच्चार कर परिसर का शुद्धिकरण करते दिखे। वीडियो वायरल होते ही विवाद खड़ा हो गया।

खड़गे: 'दलित होने के कारण अपमान' : राज्यसभा में मुद्दा उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भावुक हो गए। उन्होंने कहा, "मैं दलित समाज से आता हूं। मेरे भाषण देने के बाद वहां भाजपा से जुड़े लोगों ने हवन करके स्टेज का शुद्धिकरण किया। यह छुआछूत और अनटचेबिलिटी की मानसिकता को दर्शाता है। मैं लड़ने की ताकत रखता हूं, लेकिन इस तरह अपमान करना लोकतंत्र के खिलाफ है।"

नड्डा: बीजेपी का कोई लेना-देना नहीं, जांच होगी' : खड़गे के आरोपों के बाद सदन के नेता जेपी नड्डा ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, "यह सच में बहुत दुखदायी विषय है और यह केवल कांग्रेस के लिए ही नहीं, हम सभी के लिए दुखद है। बीजेपी ऐसी गतिविधियों से इत्तेफाक नहीं रखती। जिस संगठन का नाम लिया जा रहा है, उससे हमारी पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है। फिर भी सरकार इस मामले की पूरी तहकीकात कराएगी।" उत्तराखंड भाजपा ने भी बयान जारी कर कहा कि हवन-पूजा में उनका कोई पदाधिकारी या कार्यकर्ता शामिल नहीं था।

आयोजकों की सफाई : 'श्री राम सेना धर्मार्थ सेवान्यास' के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह शुद्धिकरण खड़गे के दलित होने की वजह से नहीं, बल्कि धार्मिक स्थल रामलीला मैदान का राजनीतिक इस्तेमाल करने और उसकी सुचिता न रखने के विरोध में किया गया था।

मानसून सत्र का रिपोर्ट कार्ड: 19 प्रतिशत और 39 प्रतिशत काम : हंगामे की भेंट चढ़े मानसून सत्र में कामकाज बहुत कम हुआ। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बताया कि लोकसभा में केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा में 39 प्रतिशत ही तय समय का काम हो सका। अनुमान है कि संसद न चलने से टैक्सपेयर्स के करीब 130 करोड़ रुपये बर्बाद हुए। इसके बावजूद सरकार ने 12 अहम विधेयक बिना विस्तृत चर्चा के पास करा लिए। सत्र के दौरान विपक्ष 20 जुलाई को दिल्ली में प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के जवाब की मांग पर अड़ा रहा।

-:: इधर-उधर ::-

झारखंड: प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली और उइक जांच की मांग को लेकर छात्र 20 दिनों से आंदोलनरत हैं। विधानसभा मार्च में हिंसा के बाद 500 अज्ञात पर एफआईआर। छात्र 13 विवादित परीक्षाएं रद्द करने पर अड़े।

महाराष्ट्र: नांदेड़ के गुरुद्वारे के बाहर शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर निहंग जसपाल सिंह ने कृपाण से हमला किया। हाथ में चोट आई। आरोपी गिरफ्तार।

खास खबर

दुर्ग पुलिस का वैज्ञानिक विवेचना पर जोर: फिंगरप्रिंट प्रशिक्षण और हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

E-FSL, E-Prosecution, MLC रिपोर्ट की ऑनलाइन प्रक्रिया पर भी हुई चर्चा

नवीन कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करने और अपराध विवेचना को वैज्ञानिक-तकनीकी बनाने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस ने एक ही दिन दो बड़े कदम उठाए। बुधवार 13.08.2026 को पुलिस लाइन स्थित दधीचि भवन में जिले के विवेचकों और MOB आरक्षकों के लिए फिंगरप्रिंट-चांस प्रिंट का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-06 भिलाई में पुलिस, FSL, अभियोजन और स्वास्थ्य विभाग की अंतरविभागीय समन्वय बैठक हुई।

फिंगरप्रिंट और वैज्ञानिक साक्ष्य पर प्रशिक्षण : पुलिस लाइन के दधीचि भवन में आयोजित प्रशिक्षण में रायपुर से आए फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट एवं उप पुलिस अधीक्षक अजय साहू ने फिंगरप्रिंट साइंस की बारीकियां समझाईं। प्रशिक्षण में घटनास्थल से फिंगरप्रिंट और चांस प्रिंट की पहचान, ट्रैकिंग, डेवलपिंग, संरक्षण और विकास की वैज्ञानिक प्रक्रिया बताई गई। साथ ही फिंगरप्रिंट डेवलपिंग किट के उपयोग और वैज्ञानिक साक्ष्यों को न्यायालय में प्रभावी तरीके से पेश करने की जानकारी दी गई। इस दौरान Criminal Procedure Identification Act-2022 के तहत फिंगरप्रिंट सहित अन्य पहचान संबंधी नमूने लेने के वैधानिक प्रावधान और राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली NAFIS के उपयोग पर भी फोकस किया गया। इससे संदिग्ध और अज्ञात आरोपियों की पहचान अब और त्वरित होगी।

डिजिटल समन्वय को मजबूत करने बैठक : इसी क्रम में कंट्रोल रूम भिलाई में आयोजित बैठक में E-FSL, E-Prosecution, MLC और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की ऑनलाइन उपलब्धता पर चर्चा हुई। FSL प्रभारी डॉ. पंकज ताम्रकार, DPO सुनील चौरसिया और जिले के चिकित्सकों ने E-FSL रिपोर्ट, E-Prosecution दस्तावेज और मेडिकल रिपोर्ट को समयबद्ध तरीके से पुलिस को उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तय की। बैठक में चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज, जिले के PHC और अस्पतालों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इसके साथ E-Challan प्रस्तुत करने और नवीन कानूनों के अनुरूप डिजिटल प्रक्रिया अपनाने पर भी मंथन हुआ।

SP का उद्देश्य: गुणवत्तापूर्ण विवेचना : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में यह दोनों कार्यक्रम आयोजित किए गए। SP का कहना है कि वैज्ञानिक साक्ष्य, फॉरेंसिक रिपोर्ट और मेडिकल दस्तावेज समय पर मिलने से विवेचना की गति और गुणवत्ता दोनों बढ़ेगी। इससे न्यायालय में मजबूत साक्ष्य पेश किए जा सकेंगे और दोषियों को सजा दिलाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मणिशंकर चन्द्रा, जिले के थाना प्रभारी, CCTNS प्रभारी और MOB आरक्षकों ने भाग लिया।

दुर्ग पुलिस की अपील : दुर्ग पुलिस ने सभी संबंधित विभागों से अपील की है कि वे रिपोर्ट और दस्तावेज निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराएं, ताकि वैज्ञानिक विवेचना और डिजिटल प्रक्रियाओं के जरिए नवीन कानूनों का बेहतर क्रियान्वयन हो सके। पुलिस का लक्ष्य दुर्ग जिले को वैज्ञानिक विवेचना और डिजिटल समन्वय के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है।

वाहन ने 7 मवेशियों को रौंदा, भड़के ग्रामीण

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में सड़क हादसा में एक साथ सात मवेशियों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में माहौल तनावपूर्ण हो गया। गुस्साए ग्रामीणों सड़क पर चक्काजाम कर दिया। जिससे दोनों ओर से लंबी लाइन लग गई। मिली जानकारी के अनुसार घटना कवर्धा राजनांदगांव रोड पर हुई है। जहां एक अज्ञात वाहन ने मवेशियों को रौंद दिया जिससे 7 मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। इधर घटना की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को लगी। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटना स्थल पहुंचे और सड़क जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझाया, लेकिन ग्रामीण वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।

बड़े सपने देखें और कड़ी मेहनत से उन्हें साकार करें : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री सरगुजा के ग्रामीण अंचलों से शैक्षणिक भ्रमण पर आए मेधावी विद्यार्थियों ने की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-सरगुजा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में सरगुजा जिले के ग्रामीण अंचलों से शैक्षणिक भ्रमण पर आए मेधावी छात्र-छात्राओं ने सौजन्य मुलाकात की। अंबिकापुर क्षेत्र के सात शासकीय विद्यालयों के लगभग 50 विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री साय ने आत्मीय संवाद किया और उनके अनुभव, रुचियों तथा भविष्य के सपनों के बारे में जाना। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जीवन में बड़ा लक्ष्य निर्धारित करने और उसे हासिल करने के लिए पूरी लगन, अनुशासन और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की मजबूत नींव तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण समय है। इस दौर में देखा गया सपना और उसे पूरा करने के लिए किया गया परिश्रम जीवन की दिशा तय करता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को हमेशा बड़े सपने देखने चाहिए और उन सपनों को साकार करने के लिए पूरे मनोयोग से प्रयास करना चाहिए। कठिन परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से जीवन में कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सफलता का अर्थ केवल डॉक्टर या इंजीनियर बनना नहीं है। आज युवाओं के लिए शिक्षा, विज्ञान, अनुसंधान, खेल, तकनीक, प्रशासन, उद्यमिता सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। प्रत्येक विद्यार्थी की अपनी प्रतिभा और रुचि होती है। आवश्यकता इस बात की है कि वह अपनी क्षमता को पहचाने, सही लक्ष्य चुने और पूरी प्रतिबद्धता के साथ उसे हासिल करने में जुट जाए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रदेश की विभिन्न प्रतिभाओं और उपलब्धि हासिल करने वाले व्यक्तित्वों के प्रेरक प्रसंग भी सुनाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर विस्तार हुआ है। आज छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्तर के अनेक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थान स्थापित हैं, जहां प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मार्गदर्शन और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध हों। ऐसे शैक्षणिक भ्रमण बच्चों के मन में नई जिज्ञासा पैदा करने के साथ उनके सपनों को नया विस्तार देते हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल के बच्चों को प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से परिचित कराने और उन्हें भविष्य की संभावनाओं के प्रति जागरूक करने की यह पहल सराहनीय है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने माता-पिता, विद्यालय तथा प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्ति के संपूर्ण जीवन की नींव होता है। जिस प्रकार किसी मजबूत भवन के लिए उसकी नींव मजबूत होना आवश्यक है, उसी प्रकार उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यार्थी जीवन में अनुशासन, परिश्रम और समय का सदुपयोग आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से इस महत्वपूर्ण समय का उपयोग अपने लक्ष्य को पहचानने, ज्ञान अर्जित करने और व्यक्तित्व निर्माण में करने का आह्वान किया। शैक्षणिक भ्रमण में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कनकालों, बकिरमा, सुखरी, रामपुर, मेंड्राकला एवं करजी तथा शासकीय सेजेस केशवपुर के छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, ट्राइबल म्यूजियम और छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग कार्यालय सहित विभिन्न प्रमुख संस्थानों एवं स्थलों का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने इन संस्थानों की शैक्षणिक गतिविधियों, अध्ययन के अवसरों और भविष्य की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। राजधानी और नवा रायपुर के प्रमुख संस्थानों को नजदीक से देखने का अनुभव विद्यार्थियों के लिए उत्साहवर्धक रहा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पायल सिंह तोमर सहित शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

एसटीएफ बघेरा दुर्ग के डीएसपी महंत कुमार को मिलेगा राष्ट्रपति वीरता पदक

26 जनवरी 2027 को सम्मानित होंगे, बस्तर में नक्सल ऑपरेशन में दिखाया अदम्य साहस

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

एसटीएफ बघेरा दुर्ग में पदस्थ उप पुलिस अधिकारी महंत कुमार सिंह को उनके अदम्य साहस, वीरता, निर्भीकता और बहादुरी के लिए राष्ट्रपति वीरता पदक से सम्मानित किए जाने का चयन हुआ है। उन्हें यह पदक 26 जनवरी 2027 को प्रदान किया जाएगा।

श्री महंत की पूरी सेवा का अधिकांश समय नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र में बीता है। उन्होंने अनेक नक्सल ऑपरेशनों का नेतृत्व बड़ी बहादुरी के साथ किया है, जो सफल रहे। नक्सल विरोधी अभियानों में उनकी भूमिका को देखते हुए केंद्र सरकार ने उन्हें इस सर्वोच्च वीरता सम्मान के लिए चुना है।

पहले भी मिल चुके हैं कई सम्मान

राष्ट्रपति वीरता पदक से पहले भी श्री महंत को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया जा चुका है। वर्ष 2024 में उन्हें डीजी सीआरपीएफ द्वारा डिस्क पदक और केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा दक्षता पदक से अलंकृत किया गया था।

परिवार में भी वीरता की परंपरा

श्री महंत, सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक रवि प्रताप सिंह के दामाद हैं। रवि प्रताप सिंह को भी राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है। छत्तीसगढ़ पुलिस में रवि प्रताप सिंह योग्य और काबिल अधिकारियों में गिने जाते हैं। पुलिस विभाग के अधिकारियों ने महंत कुमार सिंह के चयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी वीरता और नक्सल ऑपरेशन में नेतृत्व क्षमता पूरे प्रदेश के पुलिस बल के लिए प्रेरणा है।

देवर-भाभी का प्राइवेट वीडियो बनाने वाला पुलिस के हत्थे चढ़ा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक कारोबारी के यहां काम करने वाले कुछ लड़कों ने हिसाब-किताब में हेराफेरी की। इसके बाद कारोबारी ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया, जिससे नाराज युवकों ने मालिक की पत्नी और उसके चचेरे भाई का प्राइवेट वीडियो दिखाकर पैसों की मांग करने लगे। मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र का है। दरअसल युवकों ने काम के दौरान चुपके से देवर-भाभी के निजी पलों का वीडियो बना लिया था, जिसे वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहे थे। पीड़ित परिवार ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

अनाथ बालक को अपराध की राह से मोड़ा, डोंगरगढ़ पुलिस ने दिलाई नई उम्मीद

पिता की हत्या, मां ने किया त्याग... नशे की लत में फंसे 10 वर्षीय बालक को भेजा गया नशा मुक्ति केंद्र

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

एक तरफ कानून का डंडा और दूसरी तरफ मानवीय संवेदना। डोंगरगढ़ पुलिस ने इसका उदाहरण पेश किया है। हाईस्कूल ग्राउंड में लड़ाई-झगड़े के मामले में पकड़े गए 10 वर्षीय नाबालिग बालक की कहानी सुनकर पुलिस का दिल पसीज गया। पिता की कई साल पहले हत्या हो चुकी थी और मां ने भी उसे छोड़ दिया था। अकेलेपन और तंगहाली में बालक नशे और झगड़े का आदी हो गया था।

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश पर डोंगरगढ़ पुलिस ने इस असहाय बालक के भविष्य को बचाने के लिए सार्थक पहल की और उसे संरक्षण देते हुए रायपुर के नशा मुक्ति केंद्र में दाखिल कराया।

09 अगस्त 2026 को प्रार्थी xxx, निवासी चमगेंदरी पारा डोंगरगढ़ ने थाना डोंगरगढ़ में शिकायत दर्ज कराई कि उसका नाबालिग पुत्र हाईस्कूल ग्राउंड में खेलने गया था, जहां लगभग 10 वर्षीय एक बालक ने उसे आहत कर दिया।

पुलिस ने रोजनामचा सान्हा दर्ज कर बालक को संरक्षणात्मक अभिरक्षा में लिया। पूछताछ में सामने आया कि बालक का पिता कई वर्ष पहले मर्डर में मारा जा चुका है। मां भी उसे छोड़कर कहीं चली गई। घर में अकेला रहने वाला यह बालक धीरे-धीरे नशे और लड़ाई-झगड़े की लत में पड़ गया था।

SP के निर्देश पर हुआ पुनर्वास

बालक की परिस्थितियों और उसके सर्वोत्तम हित को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा ने तत्काल हस्तक्षेप किया। उन्होंने बालक को ऐसी जगह रखने के निर्देश दिए जहां उसके रहने, खाने-पीने के साथ नशे की लत छुड़वाने की उचित व्यवस्था हो।

डीएसपी प्रोबेशनर एवं थाना प्रभारी डोंगरगढ़ सुश्री सुमन जायसवाल ने बालक को बाल कल्याण समिति राजनांदगांव के समक्ष प्रस्तुत किया। आवश्यक काउंसलिंग और वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर बालक के बेहतर भविष्य और पुनर्वास के लिए उसे रायपुर स्थित "नई उम्मीद नशा मुक्ति केंद्र" में भर्ती कराया गया।

कानून के साथ मानवीय पहल : एसपी अंकिता शर्मा, एएसपी कीर्तन राठौर और एसडीओपी डोंगरगढ़ केशरी नंदन नायक के मार्गदर्शन में की गई यह कार्रवाई केवल खानापूर्ति नहीं थी। यह एक बेसहारा बच्चे को अपराध की दुनिया से निकालकर मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश है। इस मानवीय कार्य में अरक मुजीब रहमान कुरैशी और आरक्षक नरेंद्र प्रजापति की भूमिका सराहनीय रही। पुलिस का कहना है कि ऐसे बच्चों को सजा नहीं, संरक्षण और सुधार की जरूरत होती है। डोंगरगढ़ पुलिस की इस पहल से बालक को अब नई जिंदगी मिलने की उम्मीद है।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का किया गया अंतिम रिहर्सल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला मुख्यालय में गरिमामय स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल की मौजूदगी में तैयारियों का अंतिम रिहर्सल किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. दिनेश चंद्रवंशी ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई।

छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल प्रथम बटालियन ग्राउंड में प्रातः 9 बजे आयोजित होने वाले मुख्य समारोह के दौरान ध्वजारोहण, परेड निरीक्षण एवं सलामी की प्रक्रिया का पूर्वाभ्यास किया गया। रिहर्सल के दौरान मुख्य अतिथि ने ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया तथा उपस्थित जनों का अभिवादन किया। इस दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी मौजूद रहे। मंच पर मुख्य अतिथि के आगमन, ध्वजारोहण, मार्चपास्ट, हर्ष फायर एवं फोटो सेशन सहित समारोह की विभिन्न गतिविधियों का पूर्वाभ्यास किया गया। प्लाटून कमांडर नीलकंठ वर्मा के नेतृत्व में परेड की टुकड़ियों ने मंच के सामने से गुजरते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी। रिहर्सल के दौरान नगर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर समारोह की तैयारियों को जीवंत बना दिया।

छग शराब घोटाला : लॉकडाउन में अवैध शराब ढुलाई के 2 गैस टैंकर ईओडब्ल्यू ने किए जब्त

एनवी डिस्टलरी से होटल-बार तक सप्लाई का नेटवर्क खंगाल रही जांच एजेंसी, अब तक 26 वाहन जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा एडह ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए लॉकडाउन के दौरान अवैध शराब ढुलाई में इस्तेमाल किए गए दो गैस टैंकर जब्त किए हैं।

टैंकरों से हो रही थी अवैध सप्लाई

EOW के अनुसार जब्त किए गए टैंकरों के नंबर CG04-MF-1274 और CG04-MC-2618 हैं। जांच एजेंसी को संदेह है कि इन वाहनों का इस्तेमाल एनवी डिस्टलरी से अवैध शराब को गुप्त तरीके से अलग-अलग ठिकानों तक पहुंचाने के लिए किया गया था। जांच में सामने आया है कि कोरोना संक्रमण के कारण लगे लॉकडाउन और प्रतिबंधों के बीच भी शराब सिंडिकेट ने इन्हीं वाहनों के जरिए सप्लाई नेटवर्क संचालित किया। इस दौरान होटलों और बार तक अवैध शराब पहुंचाई गई।

वाहनों की भूमिका और नेटवर्क की पड़ताल जारी

EOW अब जब्त टैंकरों के संचालन, मालिकाना हक और उनसे जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इन वाहनों के जरिए कितनी मात्रा में शराब का परिवहन किया गया और पूरे नेटवर्क में किन-किन लोगों की संलिप्तता थी।

अब तक 26 वाहन जब्त

शराब घोटाले की जांच में EOW की कार्रवाई लगातार जारी है। अब तक कुल 26 वाहनों को जब्त किया जा चुका है। ताजा कार्रवाई को जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें लॉकडाउन जैसे प्रतिबंधित दौर में अवैध सप्लाई से जुड़े वाहनों को निशाना बनाया गया है।

EOW घोटाले से जुड़े दस्तावेजों, लेन-देन और परिवहन रिकॉर्ड की भी पड़ताल कर रही है। दो गैस टैंकरों की जब्ती के बाद जांच का दायरा और बढ़ने की संभावना है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में इन वाहनों से जुड़े दस्तावेज और पूछताछ से अवैध शराब परिवहन नेटवर्क को लेकर और अहम जानकारी सामने आ सकती है।

शराब घोटाले में रामगोपाल अग्रवाल की भूमिका पर ईडी का बड़ा बयान

3,000 करोड़ के कथित स्कैम की कमाई 'राजीव भवन' में डिलीवर होने का आरोप, 5 दिन की कस्टडी में आरजी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के 3,000 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ED ने कांग्रेस के तत्कालीन कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की भूमिका को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। एऊ ने रामगोपाल को गिरफ्तार कर 5 दिन की कस्टोडियल रिमांड पर लिया है।

'स्कैम की कमाई का बड़ा हिस्सा आरजी को मिला : ईडी के अनुसार शराब घोटाले से मिली बेहिसाब नकदी का एक बहुत बड़ा हिस्सा रामगोपाल अग्रवाल को कांग्रेस के तत्कालन कोषाध्यक्ष के रूप में मिला। एजेंसी का आरोप है कि अवैध नकदी रायपुर स्थित 'राजीव भवन' में रामगोपाल को डिलीवर की गई।

पैसे एडजस्ट करने और सहयोग न करने का आरोप : ED ने यह भी आरोप लगाया है कि रामगोपाल ने शराब स्कैम के पैसे को एडजस्ट करने में अहम भूमिका निभाई। पूछताछ के दौरान सहयोग नहीं करने और जांच में बाधा डालने का आरोप भी उन पर लगा है।

5 दिन की रिमांड पर : 3,000 करोड़ रुपये के इस कथित शराब स्कैम में ईडी ने रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। उन्हें अदालत में पेश कर 5 दिन की ईडी कस्टडी रिमांड पर भेजा गया है। रिमांड अवधि में ED उनसे घोटाले की फंडिंग, नकदी के लेन-देन और अन्य आरोपियों की भूमिका को लेकर पूछताछ करेगी। इस मामले में ED की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। एजेंसी का कहना है कि घोटाले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

संपादकीय

बलिदानियों की स्मृति में स्मारक बनाना ठीक है लेकिन

हमारे देश व राज्यों में बलिदानियों की स्मृति को हमेशा बनाए रखने के लिए चौक-चौराहे उनके नाम से रखे जाते हैं, उनकी मूर्ति स्थापित की जाती है, उनकी पुण्यतिथि व जयंती पर कार्यक्रमों का आयोजन कर उनके देश के लिए किए गए योगदान को याद किया जाता है। यह हमारी परंपरा है कि हमारे लिए किसी ने भी किसी तरह का बलिदान किया है तो उसके बलिदान को याद किया जाता है, नमन किया जाता है। ताकि हमारे बाद की आने वाली पीढ़ियां भी उनके बलिदान को जाने और कृतज्ञ रहे इसके लिए स्मारक बनाए जाते हैं, प्रतिमा स्थापित की जाती है। यह एक तरह से राज्य व देश की स्मृति में उनको बनाए रखने का प्रयास होता है। कोई भी मुश्किल काम होता है तो उस काम को पूरा करने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को बलिदान देना पड़ता है,जब काम पूरा हो जाता है तो हर उस आदमी को याद किया जाता है जिसने उस काम को पूरा करने के लिए बलिदान दिया होता है।

बस्तर में शांति,सुरक्षा व विकास दो तीन दशक पहले तक सपना था क्योंकि यहां पर नक्सलियों का सामानांतर साम्राज्य था, जहां उनका शासन चलता था, उस क्षेत्र में उनका आंतक रहता था,उनके खिलाफ किसी को बोलने की हिम्मत नहीं होती थी ।विरोध करने वालों को मार दिया जाता था ।कोई सोचता नहीं था कि कभी बस्तर में शांति, सुरक्षा व विकास का दौर आएगा ।राज्य में साय सरकार आने के बाद नक्सलियों का सफाया कर बस्तर में शांति,सुरक्षा व विकास के दौर के सपने को पूरा करने का फैसला किया गया। तारीख तय की गई कि इस तारीख तक बस्तर से नक्सलियों का सफाया कर दिया जाएगा और एक साल के भीतर नक्सलियों का सफाया कर दिया गया ।इस दौरान बस्तर में शांति,सुरक्षा व विकास के लिए बड़ी संख्या में आम लोगों,सुरक्षा बल के जवानों ने बलिदान दिया ।अब जब बस्तर में शांति हो गई है तो अब वक्त आया है कि बस्तर की शांति,सुरक्षा व विकास के लिए जिन लोगों ने बलिदान दिया है, उनकी याद के हमेशा के लिए बनाए रखने चौक चौराहे उनके नाम पर रखने व 109 स्मारक बनाने का फैसला साय सरकार ने किया है तो इस फैसले का सभी स्वागत करेंगे। 15 अगस्त को सीएम साय बस्तर संभाग के 500 से अधिक स्कूलों,चौराहों और सामुदायिक भवनों के नामकरण अमर बलिदानियों के नाम पर करने की घोषणा करेंगे।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बस्तर में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा बलिदानी स्थलों से होकर गुजरेगी तो वहां से मिट्टी एकत्र किया जाएगा और उस मिट्टी का उपयोग राजधानी रायपुर में बनने वाले शहीद स्मारक व संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा ।यही नहीं माओवादी हिंसा में प्राण न्यौछावर करने वाले जवानों व आम नागरिकों की याद में राज्य में 109 स्मारक बनाए जाएंगे,खास बात यह होगी कि इस डिजिटल युग में हर स्मारक पर एक क्यूआर कोड़ होगा और उसे स्कैन करने पर आम लोगों को शहीदों का शौर्यगाथा व घटना की पूरी जानकारी मिल जाएगी ।यह तो अच्छी बात है कि बस्तर की शांति,सुरक्षा व विकास के लिए बलिदान देने वालों के लिए साय सरकार चौक चौराहों के नाम बलिदानियों के नाम पर रखने जा रही है,स्मारक बनाने जा रही है ।ऐसे वक्त में इस बात खास ख्याल रखा जाना चाहिए कि ऐसे चौक-चौराहों व स्मारकों की देखरेख में खर्च होने वाला पैसा कौन देगा ।उसके लिए पहले से फंड की व्यवस्था की जानी चाहिए क्योंकि उत्साह में तो एक सरकार चौक चौराहों के नाम बलिदानियों के नाम पर रख देती, स्मारक बनवा देती है लेकिन उसके बाद साल भर कोई उनकी तरफ ध्यान नहीं देता है,प्रतिमाएं धुल सनी रहती है,चौक चौराहों का बुरा हाल रहता है।

प्रदेश के कई चौक चौराहों पर महापुरुषों की प्रतिमाएं लगीं है किसी की भी सरकार हो,उनके रखरखाव की और कोई खास ध्यान नहीं दिया जाता है। बड़ी मुश्किल से साल मे एक या दो बार ही उनकी धुलाई पोछाई होती है ।साय सरकार बहुत जगह स्मारक बनवाने जा रही है तो उसे पहले से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बस्तर में शांति,सुरक्षा व विकास के लिए जिन लोगों ने बलिदान दिया है,उनकी पूछपरख तक बाद में न हो और उनका हाल भी दूसरे स्मारकों,चौक चौराहों की तरह हो जाए। कांग्रेस ने बस्तर में झीरम घाटी के शहीदों का स्मारक बनवाया क्या हुआ,कांग्रेस ही अब उस स्मारक की ठीक से देखभाल नहीं कर पाती है ।बाद में कोई दूसरी सरकार आ जाए ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि शहीद स्मारकों की देखभाल में कोई कमी न हो। क्योंकि एक सरकार जाती है तो दूसरी सरकार में उसके बनाए स्मारकों की देखरेख बंद हो जाती है यह सोचकर कि इसे हमने तो नहीं बनवाया था ।शहीद व बलिदानी किसी राजनीतिक दल के नहीं होते लेकिन अफसोस होता जब हर राजनीतिक के अलग अलग महापुरुष होते हैं और जिस राजनीतिक दल की सरकार होती है वह अपने महापुरुष की जन्मदिन व पुण्यतिथि जोर शोर से मनाती है। कई बार ऐसा भी होता है कि एक राजनीतिक दल के लिए कोई महापुरुष होता है तो वह दूसरे दल के लोगों के लिए महापुरुष नहीं होता है। देश के महापुरुषों की कदर सभी राजनीतिक दलों के लोगों का करनी चाहिए लेकिन ऐसा होता नहीं है।

मृत्यु के बाद भी किसी जरूरतमंद को जीवन देने का ले संकल्प

विश्व अंगदान दिवस

सुनील कुमार महला

अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद मरीजों के जीवन बचाने के लिए अंगदान के महत्व को रेखांकित करने के क्रम में प्रतिवर्ष 13 अगस्त को विश्व अंगदान दिवस मनाया जाता है। अंगदान का बहुत महत्व है। अंगदान के महत्व के प्रति आम लोगों को जागरूक करना, इससे जुड़े विभिन्न भ्रमों व झिझक आदि को दूर करना तथा जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने के लिए अधिक से अधिक लोगों को अंगदान का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करना है। सरल शब्दों में कहें तो इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों को मरणोपरांत या जीवित रहते हुए स्वेच्छा से अंगदान करने के लिए प्रेरित करना और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना है ।कहना गलत नहीं होगा कि अंगदान एक मानवीय कार्य है,जो किसी जरूरतमंद का जीवन बचाता है। वास्तव में यह पुण्य, परोपकार का कार्य है ।यह आशा की किरण है। मृत्यु के बाद दान किए गए हृदय, गुर्दे, यकृत, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंग जरूरतमंद मरीजों के प्रत्यारोपण में उपयोग किए जा सकते हैं। यहां तक कि कॉर्निया और कुछ ऊतक भी दान किए जा सकते हैं।

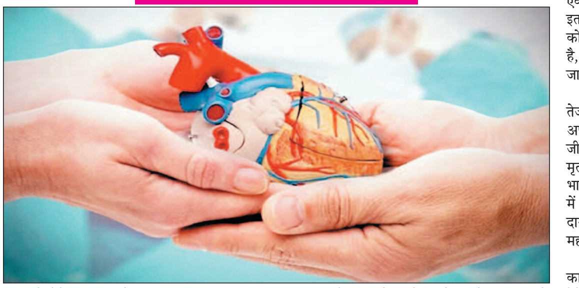

अंगदान और इसका इतिहास:- अंगदान के इतिहास की बात करें तो यहां पाठकों को बताता चलूं कि 20वीं शताब्दी में शल्य चिकित्सा, संक्रमण नियंत्रण, ऊतक संरक्षण और प्रतिरक्षा-विज्ञान में हुई प्रगति ने सफल अंग प्रत्यारोपण का मार्ग प्रशस्त किया। 1954 में पहला सफल मानव गुर्दा प्रत्यारोपण अमेरिका में किया गया, जिसने आधुनिक प्रत्यारोपण चिकित्सा के इतिहास में महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा। दरअसल,वर्ष 1954 में अमेरिका में डॉक्टर जोसेफ मरे ने जुड़वां भाइयों (रोनाल्ड और रिचर्ड हेरिक) के बीच दुनिया का पहला सफल किडनी ट्रांसप्लांट किया था और बहुत कम लोग ही यह जानते होंगे कि उनकी इस ऐतिहासिक सफलता के लिए उनको 1990 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 1990 के बाद यकृत, हृदय, फेफड़े और अन्य अंगों के प्रत्यारोपण में लगातार प्रगति हुई। हमारे देश में अंगदान और प्रत्यारोपण के लिए राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि हमारे देश में राष्ट्रीय अंगदान दिवस प्रतिवर्ष 3 अगस्त को मनाया जाता है ?।

अंगदान दिवस की थीम, और भारत में अंग प्रत्यारोपण:- अंगदान एक चिकित्सकीय प्रक्रिया है और इसे निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार किया जाता है।इससे शरीर का अंतिम संस्कार प्रभावित नहीं होता है। आज बहुत से लोगों के आर्गन फेल हो जाते हैं, ऐसे में यह(अंगदान) मनुष्य जीवन के लिए एक उपहार की तरह है। किसी बीमारी, एक्सीडेंट आदि के कारण आज बहुत से लोग अपने अंगों को खो देते हैं, ऐसे में, ऐसे लोगों को अंगदान करके उनका जीवन बचाया जा सकता है अथवा बेहतर स्वास्थ्य प्रदान किया जा सकता है। विश्व अंगदान दिवस का केंद्रीय संदेश हमेशा स्वेच्छा से अंगदान करें और जिंदगियां बचाएं (डोनेट आर्गन्स, सेव लाइफ्स) के विचार पर केंद्रित रहता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत में अंग प्रत्यारोपण अधिनियम-1994 अवैध अंग व्यापार को रोकता है और केवल स्वैच्छिक एवं कानूनी दान की अनुमति देता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2011 में इसमें महत्वपूर्ण संशोधन किए गए और 2014 में संबंधित नियम लागू हुए।

एक मृत दाता के अंगदान से 8 लोगों की जान बचाई जा सकती है:- आज विभिन्न स्वास्थ्य एजेंसियां और अनेक स्वास्थ्य संगठन, एनजीओज इस दिन विशेष अभियानों के माध्यम से जन-जागरूकता, परिवार से इस विषय पर बात करने और दाता पंजीकरण (डोनर रजिस्ट्रेशन) की प्रक्रिया को आसान बनाने पर जोर देते हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार एक मृत दाता के अंगदान से 8 लोगों की जान बचाई जा सकती है और उसके ऊतकों (टिश्यूज) के दान से 50 से अधिक लोगों के जीवन में सुधार लाया जा सकता है। कोई स्वस्थ व्यक्ति एक किडनी या लीवर का एक हिस्सा दान कर सकता है। इतना ही नहीं, चिकित्सकों के अनुसार जब किसी व्यक्ति को चिकित्सकीय रूप से ब्रेन डेड घोषित कर दिया जाता है, तब उसके सभी महत्वपूर्ण अंगों को प्रत्यारोपित किया जा सकता है।

पिछले कुछ समय से भारत में प्रत्यारोपण की संख्या तेजी से बढ़ी है, लेकिन मृतक अंगदान की दर अभी भी अपेक्षाकृत कम है। भारत में बड़ी संख्या में प्रत्यारोपण जीवित दाताओं से होते हैं, जबकि कई विकसित देशों में मृतक दाता प्रणाली अधिक मजबूत है। यही कारण है कि भारत में ब्रेन-स्टेम डेथ की समय पर पहचान, परिवारों में अंगदान के प्रति जागरूकता और अस्पतालों में अंग-दान समन्वय व्यवस्था को मजबूत करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वास्तव में, अंगदान केवल मृत्यु के बाद शरीर के अंगों का दान नहीं, बल्कि किसी दूसरे व्यक्ति को नया जीवन देने का महान संकल्प है। एक व्यक्ति का निर्णय कई जरूरतमंद लोगों के जीवन में उम्मीद की किरण जगा सकता है। कहना गलत नहीं होगा कि अंगों की कमी को दूर करने के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। समाज में अंगदान से जुड़े भ्रम और मिथकों को दूर कर अधिक से अधिक लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करना समय की आवश्यकता है। जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि हमारे देश में अंग प्रत्यारोपण की सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन मृतक अंगदान को और गति देने की आवश्यकता है। इसके लिए अस्पतालों, स्वास्थ्य संस्थानों, सरकार और समाज को मिलकर प्रयास करने होंगे। निष्कर्षतः यही कहूंगा कि विश्व अंगदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि जीवन अनमोल है और इसे बचाने में हमारा छोटा-सा संकल्प भी बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए अंगदान के प्रति जागरूक बनें, दूसरों को प्रेरित करें और मानव जीवन बचाने की इस मुहिम का हिस्सा बनें।

एक राष्ट्र, एक तिरंगा, लेकिन हर युग में स्वतंत्रता की अलग परीक्षा

आरके जैन

तिरंगे की छांव में खड़े होकर अब केवल बीते संघर्षों को याद करना पर्याप्त नहीं, बल्कि यह जानना भी जरूरी है कि आज हम कितने स्वतंत्र हैं। 15 अगस्त उस ऐतिहासिक विजय का प्रतीक है, जिसने हमें विदेशी शासन से मुक्ति दिलाई, लेकिन बदलती दुनिया में स्वतंत्रता की परिभाषा भी बदल रही है। 2026 का भारत ऐसी चुनौतियों के दौर में प्रवेश कर चुका है, जहाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता विचारों को प्रभावित कर रही है, जलवायु परिवर्तन जीवन के आधारों को चुनौती दे रहा है और डिजिटल संसार हमारी पहचान व निर्णयों पर प्रभाव डाल रहा है। ऐसे समय में आजादी का अर्थ केवल बाहरी नियंत्रण से मुक्त होना नहीं, बल्कि अपनी सोच, अपने ज्ञान, अपने संसाधनों और अपनी तकनीकी क्षमता पर अधिकार स्थापित करना भी है। यह दिन केवल गौरव के पन्ने पलटने का नहीं, बल्कि यह पूछने का अवसर है कि आधुनिक युग में हम अपनी स्वतंत्रता को कितना सार्थक और सुरक्षित बना पाए हैं।

गुलामी के पुराने दरवाजे टूट चुके हैं, लेकिन नई बेड़ियाँ अब दिखाई नहीं देतीं। आज की पीढ़ी ने वह दौर नहीं देखा जब स्वतंत्रता के लिए संघर्ष सड़कों पर लड़ा गया था, पर अब उसका सामना ऐसे अदृश्य प्रभावों से है जो सोच और निर्णयों तक पहुंच बना चुके हैं। डिजिटल संसार में एल्गोरिद्म चुपचाप हमारी पसंद, हमारी रुचियों और हमारे विचारों की दिशा तय करने लगे हैं। हम क्या देखें, क्या चुनें और किस विषय पर कैसी प्रतिक्रिया दें, इसका नियंत्रण कई बार तकनीकी व्यवस्थाओं के हाथों में चला जाता है। यही आधुनिक युग का डिजिटल उपनिवेशवाद है, जहाँ कब्जा जमीन पर नहीं, बल्कि सूचनाओं और व्यवहार पर होता है। आज डेटा सबसे मूल्यवान शक्ति बन चुका है। इसलिए आने वाले समय की वास्तविक स्वतंत्रता वही होगी, जब हर नागरिक अपनी डिजिटल पहचान, अपनी सूचनाओं और अपने निर्णयों का स्वयं स्वामी होगा।

जिस धरती ने हमें पहचान दी है, उसकी रक्षा के बिना कोई भी स्वतंत्रता पूर्ण नहीं हो सकती। राष्ट्र की मजबूती केवल सीमाओं की चौकसी से नहीं, बल्कि खेतों, नदियों और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से भी तय होती है। आज किसान की चिंता, प्रदूषित शहरों की हवा और संकट में आती जलधाराएँ संकेत दे रही हैं कि विकास की रफ्तार में प्रकृति की अनदेखी भारी पड़ सकती है। 2026 में जलवायु परिवर्तन हिमालय से लेकर जल स्रोतों तक अपना प्रभाव दिखा रहा है, ऐसे समय में पर्यावरण बचाना ही आधुनिक भारत की सबसे बड़ी देशभक्ति है। जिस मिट्टी पर हमारा अस्तित्व टिका है, यदि वही कमजोर हो जाएगी तो उपलब्धियों की चमक भी फीकी पड़ जाएगी। वास्तविक स्वतंत्रता वही है, जो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल और जीवन देने वाली धरती सौंप सके।

भारत का युवा आज इतिहास की छाया में नहीं, भविष्य की अनिश्चित राहों पर खड़ा है। उसके पास सपनों की उड़ान है, लेकिन साथ ही अवसरों की कमी, रोजगार की चुनौती और बदलते समय का मानसिक दबाव भी है। स्वतंत्रता दिवस पर उसे केवल बीते संघर्षों की वीरगाथाएँ सुनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके वर्तमान के प्रश्नों को समझना भी जरूरी है। नई पीढ़ी को केवल गौरवशाली अतीत का परिचय नहीं, बल्कि विचारों को व्यक्त करने की आजादी, सवाल उठाने का साहस और अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर चाहिए। क्योंकि जिस समाज में जिज्ञासा दबा दी जाती है और हर आवाज केवल सहमति में बदल जाती है, वहाँ स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगता है।

किसी राष्ट्र का तिरंगा तभी पूरी ऊंचाई से लहराता है, जब उसकी अर्थव्यवस्था भी आत्मविश्वास के साथ खड़ी हो। आज की जुड़ी हुई वैश्विक व्यवस्था में एक देश का संकट दूसरे देशों की गति को प्रभावित कर सकता है। ऐसे दौर में आत्मनिर्भरता केवल एक विचार नहीं, बल्कि आने वाले भारत की मजबूती का आधार है। स्थानीय उद्योगों, छोटे उद्यमियों, पारंपरिक हुनर और आधुनिक तकनीक को नई शक्ति देना ही 21वीं सदी का वास्तविक आर्थिक संघर्ष है। जब भारत अपने उत्पादों, ऊर्जा स्रोतों और तकनीकी क्षमता पर भरोसा करना सीख जाएगा, तभी आर्थिक स्वतंत्रता का लक्ष्य पूरा होगा। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ दुनिया से दूरी बनाना नहीं, बल्कि अपनी क्षमता के बल पर दुनिया के साथ बराबरी से आगे बढ़ना है।

आजादी का सबसे बड़ा उत्सव तब पूरा होगा, जब हर भारतीय के भीतर से विभाजन की दीवारें भी गिर जाएँगी। बाहरी बंधनों से मुक्ति मिलना इतिहास की बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन मन के संकुचित दायरों से बाहर निकलना आज की सबसे बड़ी चुनौती है। जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के छोटे-छोटे खांचों में बंटा समाज कभी पूरी स्वतंत्रता का अनुभव नहीं कर सकता। आधुनिक समय में सोशल मीडिया ने संवाद के नए रास्ते खोले हैं, लेकिन कई बार वही माध्यम दूरियों को बढ़ाने का कारण भी बन जाते हैं। अलग सोच रखने वाला विरोधी नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण है। 15 अगस्त हमें याद दिलाता है कि भारत की पहचान उसकी विविधता को जोड़ने वाली भावना में है। राष्ट्र सीमाओं से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सम्मान और साथ चलने के संकल्प से मजबूत बनता है। जिस दिन मन से भेदभाव और पूर्वाग्रह हट जाएंगे, उसी दिन स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ साकार होगा।

भविष्य की लड़ाई अब तकनीक हासिल करने की नहीं, बल्कि तकनीक के बीच इंसान बने रहने की होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसके साथ यह सवाल भी खड़ा है कि सुविधा बढ़ने के साथ कहीं हमारी स्वतंत्र सोच कम तो नहीं हो रही। मशीनें काम को तेज कर सकती हैं, जानकारी दे सकती हैं और रास्ते सुझा सकती हैं, लेकिन निर्णयों में संवेदना, नैतिकता और मानवीय समझ का स्थान नहीं ले सकतीं। सच्ची स्वतंत्रता वही होगी, जहाँ तकनीक हमारी उन्नति का साधन बने, हमारे विचारों की दिशा तय करने वाली शक्ति नहीं। 2026 का भारत उस नए दौर की ओर बढ़ रहा है, जहाँ विकास की ऊंचाई को मानवीय मूल्यों की गहराई के साथ जोड़ना ही सबसे बड़ी राष्ट्रीय जिम्मेदारी होगी।

स्वतंत्रता का उत्सव उस दिन सार्थक होगा, जब तिरंगे के सम्मान के साथ हम अपने दायित्वों का मूल्य भी समझेंगे। 15 अगस्त केवल परंपराओं को निभाने का अवसर नहीं, बल्कि यह विचार करने का समय है कि हमने मिली हुई आजादी को कितना मजबूत बनाया है। स्वतंत्रता कोई एक क्षण में हासिल हुई उपलब्धि नहीं, बल्कि हर युग में नई चुनौतियों के बीच सुरक्षित रखी जाने वाली चेतना है। आज इसकी रक्षा हमारी सोच की स्वतंत्रता, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, तकनीकी आत्मनिर्भरता, आर्थिक मजबूती और भविष्य के प्रति जिम्मेदार निर्णयों में दिखाई देती है। 2026 का यह पर्व केवल बीते संघर्षों को नमन करने तक सीमित नहीं, बल्कि नए भारत की दिशा तय करने का अवसर है। जब नागरिक जागरूक होकर अपनी भूमिका निभाएंगे, तभी तिरंगे की लहराती शान स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ को दुनिया तक पहुंचाएगी।

कविता का कोना

सावन की बहार

सावन आया, देखो रिमझिम,
बरस रही बूंदों की फुहार है।
हरे-भरे पेड़ों ने भी देखो,
खूब दिखाई अपनी शान है।
झूम-झूमकर नाच रहे हैं,
चमक रही हर पत्ती-डाली है।
इनको देखकर लगता है मानो,
जन्नत हमने आज ही पाई है।
आंखों में सुकून भरपूर है,
ठंडी-ठंडी हवा सुहानी है।
सावन आया, देखो रिमझिम,
हर ओर बिखरी नई रवानी है।
सावन आया, देखो रिमझिम,
सावन आया, सावन आया।
अगर आप कविता के अंत में कवयित्री का नाम जोड़ना चाहते हैं, तो इस तरह लिख सकते हैं :
सावन की बहार
कवयित्री - ममता दुबे, भिलाई

भारत में गुम होता बचपन और सुप्रीम कोर्ट की सख़्ती

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत में किसी व्यक्ति, विशेषकर किसी बच्चे का अचानक घर, स्कूल,सड़क, रेलवे स्टेशन या सार्वजनिक स्थान से गायब हो जाना केवल एक परिवार की निजी त्रासदी नहीं है ।यह कानून- व्यवस्था, मानवाधिकार, बाल- सुरक्षा,मानव तस्करी और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा गंभीर राष्ट्रीय प्रश्न है ।मंगलवार 11 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने इसी विषय पर सुनवाई करते हुए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बेहद स्पष्ट और कड़ा संदेश दिया कि लापता व्यक्ति की सूचना मिलते ही उसकी उम्र या जेंडर की परवाह किए बिना तत्काल एफआईआर दर्ज करनी होगी। अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उसके पिछले आदेश में इस्तेमाल किया गया शब्द पर्सन केवल बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति, बच्चा हो या वयस्क, महिला हो या पुरुष, सभपर पर लागू होता है।

भारत को अब ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें किसी थाने से यह आवाज न आए कि पहले 24 घंटे इंतजार कीजिए, किसी परिवार को एफआईआर के लिए भटकना न पड़े,कोई राज्य यह न कह सके कि मामला दूसरे राज्य का है और कोई ट्रैफिकिंग नेटवर्क प्रशासनिक सीमाओं का फायदा न उठा सके ।क्योंकि किसी बच्चे का गुम होना केवल एक परिवार का बच्चा गुम होना नहीं है,यह भारत के भविष्य का एक हिस्सा गुम होना है। और सुप्रीम कोर्ट का आज का सबसे बड़ा संदेश शायद यही है, लापता व्यक्ति का हर मिनट महत्वपूर्ण है; एफआईआर में देरी केवल प्रशासनिक देरी नहीं, किसी जिंदगी को बचाने का खोया हुआ अवसर हो सकती है ।उधर अदालत ने चेतावनी दी कि यदि कोई राज्य या केंद्रशासित प्रदेश इस निर्देश का पालन नहीं करता है तो संबंधित मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को अवमानना की कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होकर यह बताना पड़ सकता है कि उनके विरुद्ध कार्रवाई क्यों न की जाए।

साथियों मंगलवार 11 मार्च 2026 को यह टिप्पणी दो जस्टिस बेंच की पीठ ने , मानव तस्करी की रोकथाम और लापता व्यक्तियों को खोजने के उपायों से संबंधित कार्यवाही में पिछले आदेशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए की ।सुप्रीम कोर्ट के सामने यह बात आई कि कुछ राज्य उसके 22 मई 2026 के आदेश की ऐसी व्याख्या कर रहे थे मानो तत्काल एफआईआर का निर्देश केवल बच्चों के मामलों में लागू होता हो ।अदालत ने इस व्याख्या को पूरी तरह खारिज करते हुए नाराजगी व्यक्त की और कहा कि उसके आदेश की भाषा साफ और स्पष्ट थी। अदालत के अनुसार पर्सन का अर्थ हर व्यक्ति है, चाहे उसकी उम्र या जेंडर कुछ भी हो। यह स्पष्टीकरण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लापता होने के बाद शुरूआती समय केवल बच्चे के लिए ही नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के सुरक्षित मिलने के लिए निर्णायक हो सकता है ।सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में गोल्डन अवर्स की अवधारणा को रखा है। किसी व्यक्ति के लापता होने के बाद शुरूआती कुछ घंटे ऐसे होते हैं जिनमें उसके सुरक्षित मिलने की संभावना सबसे अधिक होती है। यदि पुलिस एफआईआर दर्ज करनेमें समय लगाती है, परिवार को इधर-उधर भेजती है या यह मानकर चलती है कि व्यक्ति स्वयं कहीं चला गया होगा,तो इस दौरान सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन,डिजिटल गतिविधियों रेलवे और बस परिवहन संबंधी सुराग तथा संभावितआरोपियों की पहचान जैसे महत्वपूर्ण साक्ष्य कमजोर हो सकते हैं ।इसलिए सुप्रीम कोर्ट का संदेश मूलत : यह है कि पहले तत्काल खोज और जांच शुरू करो, बाद में परिस्थितियों के आधार पर अपराध की प्रकृति निर्धारित करो।

साथियों, इस मामले का एक महत्वपूर्ण कानूनी पहलू यह भी है कि अदालत ने एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) की संबंधित धाराओं तथा अपहरण, तस्करी और अन्य लागू अपराधों से जुड़े कानूनी प्रावधानों को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यदि जांच एजेंसी के पास ठोस कारण हो कि मामला मानव तस्करी से जुड़ा है तो उसे केवल सामान्य मिसिंग- पर्सन इन्वेस्टीगेशन के रूप में लंबित नहीं रखा जा सकता। ऐसी स्थिति में मामले को मानव तस्करी, अपहरण और संबंधित अपराधों से निपटने वाली विशेष इकाई को चार महीने की अवधि पूरी होने का इंतजार किए बिना सौंपने का निर्देश दिया गया है ।यह निर्देश जांच की गति को लेकर न्यायपालिका की गंभीरता को दशार्ता है ।सुप्रीम कोर्ट ने एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिटस को भी प्रभावी बनाने पर जोर दिया है। केंद्र सरकार, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि संबंधित एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिटस निर्धारित अवधि में पूरी तरह कार्यशील हों। इसके साथ ही केंद्र सरकार को देशभर में संबंधित पोर्टलों को आपस में जोड़ने का निर्देश दिया गया है,ताकि एक राज्य में दर्ज मिसिंग-पर्सन या ट्रैफिकिंग संबंधी जानकारी दूसरे राज्य की पुलिस और संबंधित एजेंसियों तक भी तेजी से पहुंच सके। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मानव तस्करी और अपहरण का अपराध किसी जिले या राज्य की सीमा तक सीमित नहीं रहता। अपराधी बच्चे या व्यक्ति को

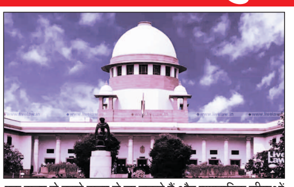

एक राज्य से दूसरे राज्य ले जा सकते हैं और प्रशासनिक सीमाओं का सटीकता से फायदा उठा सकते हैं।

साथियों इस मामले की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2 बजे निर्धारित की गई है। मामले का शीर्षक जी .गणेश वर्सेज . स्टेट ऑफ तमिल नाडु एंड अदर्स है। इसलिए 11 अगस्त का आदेश केवल तत्काल निर्देश नहीं बल्कि आगे चलने वाली एक व्यापक न्यायिक निगरानी प्रक्रिया का हिस्सा है। अदालत अब यह देखना चाहती है कि उसके आदेशों को कागज पर स्वीकार करने के बजाय राज्यों ने वास्तव में पुलिस व्यवस्था,एंटी -ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिटस एफआईआ? प्रणाली, डिजिटल पोर्टलों और अंतरराज्यीय समन्वय में क्या बदलाव किए हैं।

साथियों भारत में बच्चों के लापता होने के आंकड़े इस चिंता को और गंभीर बना देते हैं। उपलब्ध एनसीआरबी -आधारित आंकड़ों केअनुसार 2024 में 98,375 बच्चे लापता दर्ज हुए, जबकि 2023 में यह संख्या लगभग 91,296 थी। अर्थात एक वर्ष में लगभग 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2024 के आंकड़ों में लगभग 75,603 लड़कियां और 22,768 लड़के शामिल थे। औसतन देखें तो यह संख्या लगभग 270 बच्चों प्रतिदिन के बराबर बैठती है। लेकिन यहां एक जरूरी सावधानी है मिसिंग का अर्थ यह नहीं कि सभी बच्चे स्थायी रूप से गायब हो गए। अनेक बच्चे बाद में खोज लिए जाते हैं। वास्तविक चिंता उन बच्चों की है जो लंबे समय तक अनतट्रास्ड रहते हैं और जिनके मामलों में परिवार वर्षों तक जवाब की प्रतीक्षा करता रहता है। लापता बच्चों में लड़कियों की बड़ी संख्या विशेष चिंता का विषय है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर मिसिंग गर्ल मानव तस्करी की शिकार है,लेकिन बाल विवाह,यौन शोषण, ट्रैफिकिंग घरेलू हिंसा,प्रेम- संबंध पारिवारिक तनाव, ऑनलाइन संपर्क और अन्य परिस्थितियों के कारण बालिकाओं कीवुलनेराबिलिटी कई मामलों में बढ़ सकती है। इसलिए बच्चा घर से चला गया होगा जैसे सामान्य अनुमान के आधार पर जांच को कमजोर करना गंभीर भूल हो सकती है। प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के आधार पर वैज्ञानिक और संवेदनशील जांच जरूरी है।

साथियों, यह समस्या केवल मिसिंग चिल्ड्रन तक सीमित नहीं है। 11 अगस्त के सुप्रीम कोर्ट के स्पष्टीकरण का सबसे बड़ा महत्व यही है कि अब ह्लमिसिंग पर्सनह्नकी अवधारणा को व्यापक बनाया गया है। बच्चा हो या वयस्क, महिला हो या पुरुष, पुलिस की पहली जिम्मेदारी सूचना मिलने पर तत्काल एफआई आर और खोज अभियान शुरू करना है। यह निर्देश परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच बन सकता है क्योंकि कई बार लापता वयस्कों के मामलों में भी शुरूआती शिकायत को गंभीरता से न लेने की शिकायतें सामने आती रही हैं ।इस मुद्दे का दूसरा और शायद सबसे भयावह पहलू मानव तस्करी है। प्रत्येक मिसिंग चाइल्ड ट्रैफिकिंग विक्टिम नहीं होता,लेकिन ट्रैफिकिंग के मामलों में मिसिंग -पर्सन कंप्लेंट अक्सर शुरूआती वार्निंग सिग्नल हो सकती है। यदि कोई बच्चा किसी संगठित नेटवर्क के हाथ में चला गया तो उसे दूसरे शहर, राज्य या यहां तक कि देश के बाहर ले जाने का खतरा हो सकता है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट अब मिसिंग केसेस को ट्रैफिकिंग के संभावित कोण से भी देखने पर जोर दे रहा है। अदालत ने विभिन्न राज्यों से आंकड़े एकत्र कर किसी संभावित नेशनवाइड पैटर्न या संगठित नेटवर्क की पहचान करने की आवश्यकता पर भी ध्यान दिया है ।यदि देश में एक प्रभावी -टाइम मिसिंग-पर्सन प्लेटफार्म हो जिसमें पुलिस एफआईआर फोटो,सीसीटीवी अलर्टस, रेलवे और बस परिवहन नेटवर्क,चाइल्ड वेलफेयर कमिटीस ,एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिटस और अन्य संबंधित एजेंसियां सुरक्षित तरीके से जुड़ी हों तो किसी व्यक्ति के एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने की स्थिति में भी उसकी खोज तेज हो सकती है।

साथियो, यहां सामाजिक संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। गुडिया स्वयंम सेवी संस्थान की याचिका से जुड़ी न्यायिक कार्यवाही ने वर्षों से लापता बच्चों और मानव तस्करी के मुद्दे को सर्वोच्च न्यायालय के सामने रखा है। बचपन बचाओ आंदोलन जैसे बाल-अधिकार संगठनों ने भी बाल तस्करी, बाल मजदूरी और बच्चों के शोषण के खिलाफ लंबे समय से अभियान चलाए हैं। इन संगठनों की मूल चिंता यही रही है कि मिसिंग चाइल्ड को केवल पुलिस रिकॉर्ड की एक एंट्री नहीं, बल्कि तत्काल चाइल्ड झ्र प्रोटेक्शन इमरजेंसी माना जाना चाहिए।

साथियों, विपक्षी दलों और नागरिक समाज की व्यापक चिंता भी इसी दिशा में है कि इतने बड़े देश में लापता व्यक्तियों और बच्चों के मामलों के लिए केंद्र और राज्यों के बीच डेटा तथा जांच का सेमलेस कोऑर्डिनेशन कैसे सुनिश्चित किया जाए। हालांकि 11 अगस्त 2026 के सुप्रीम कोर्ट आदेश पर किसी एक विपक्षी दल की सर्वमान्य आधिकारिक प्रतिक्रिया को प्रमाणित किए बिना उद्धृत करना उचित नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक विमर्श में पुलिस की जवाबदेही, ट्रैफिकिंग नेटवर्क्स , राज्यों के बीच कोऑर्डिनेशन और सरकारों द्वारा मिसिंग केसेस की मॉनिटरिंग जैसे प्रश्न लगातार उठते रहे हैं। वास्तव में इस मुद्दे को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठाने की आवश्यकता है, क्योंकि गुम हुआ बच्चा किसी राजनीतिक दल का नहीं,पूरे समाज की सटीकता से जिम्मेदारी है।

साथियों, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चे के मिल जाने पर भी जिम्मेदारी समाप्त नहीं होनी चाहिए। यदि बच्चा शोषण,ट्रैफिकिंग या यौन अपराध का शिकार रहा है तो उसे केवल उसके परिवार के पास वापस भेजना पर्याप्त नहीं। उसे मेडिकल केयर, साइकोलॉजिकल सपोर्ट, लीगल असिस्टेंस, सुरक्षित पुनर्वास और सामाजिक पुनर्स्थापन की जरूरत हो सकती है। साथ ही उस अपराधी नेटवर्क की जांच भी आवश्यक है जिसने बच्चे को निशाना बनाया ।11अगस्त 2026 का सुप्रीम कोर्ट का संदेश इसलिए भारत की मिसिंग झ्र पर्सन पॉलिसी में एक संभावित टर्निंग पॉइंट है। अदालत ने मूलत : प्रशासन को यह बता दिया है कि लापता व्यक्ति की शिकायत कोई सामान्य कागजी प्रक्रिया नहीं है। यह संभावित अपराध की शुरूआत हो सकती है और शुरूआती गोल्डन होउर्स को खोना किसी व्यक्ति की जिंदगी और सुरक्षा के लिए भारी पड़ सकता है। यदि राज्यों के मुख्य सचिव और डीजीपी तक व्यक्तिगत जवाबदेही के दायरे में आते हैं, तो इससे पुलिस प्रशासन पर आदेशों को गंभीरता से लागू करने का दबाव निश्चित रूप से बढ़ेगा।

अत : अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि भारत में कितने बच्चे गुम होते हैं ?असली सवाल यह होना चाहिए कि गुम होने के बाद उन्हें खोजने के लिए भारत की व्यवस्था कितनी तेज, संवेदनशील तकनीकी रूप से सक्षम और जवाबदेह है ? 2024 में लगभग 98 हजार बच्चों के मिसिंग होने का आंकड़ा हमें चेतावनी देता है कि यह समस्या छोटी या स्थानीय नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की 11 अगस्त की सख्ती इस चेतावनी को न्यायिक दिशा देती है, हर लापता व्यक्ति महत्वपूर्ण है,हर घंटामहत्वपूर्ण है और हर परिवार कोतत्काल राज्य की मदद मिलने का अधिकार है।

तिरंगा यात्रा : बीएसएफ-सीआईएसएफ जवानों के साथ विधायक-आयुक्त ने दिया देशभक्ति का संदेश

घर-घर तिरंगा फहराने की अपील, शहीद रजनीकांत की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

राष्ट्रव्यापी तिरंगा अभियान के तहत गुरूवार को नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। दुर्ग ग्रामीण विधायक और रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने इरऋ के जवानों के साथ हाथों में तिरंगा लेकर आमजनों को देशभक्ति का संदेश दिया। इस दौरान नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने घरों में तिरंगा अवश्य फहराने की अपील की गई।

दशहरा मैदान से शहीद स्मारक तक निकली रैली

तिरंगा यात्रा की शुरूआत दशहरा मैदान रिसाली सेक्टर से हुई। रैली के रूप में यह यात्रा परशुराम चौक, जोहर चौक और कृष्णा टॉकीज रोड होते हुए शहीद रजनीकांत स्मारक स्थल पहुंची। यहां शहीद रजनीकांत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। यात्रा का मुख्य उद्देश्य शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ आमजनों में "घर-घर तिरंगा" अभियान का संदेश पहुंचाना था।

100 से अधिक जवानों ने किया मार्च

पदयात्रा में सबसे आगे उकरऋऔर इरऋके 100 से अधिक जवान हाथों में तिरंगा लेकर चल रहे थे। जवानों के मार्च ने पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल बना दिया।

कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेंद्र साहू, पार्षद रमा साहू, धर्मेंद्र भगत, शीला नारखेड़े, ईश्वरी साहू, ममता सिन्हा, सरिता देवांगन सहित नगर पालिक निगम रिसाली के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। नगर निगम प्रशासन ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस तक रिसाली क्षेत्र में "हर घर तिरंगा" अभियान को और तेज किया जाएगा।

खास खबर

अब धान के कटोरे छत्तीसगढ़ में भी चावल की महंगाई की मार-सौरभ मिश्रा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग समेत पूरे छत्तीसगढ़ में चावल के दामों में इजाफा छत्तीसगढ़ की महिलाओ और आम जनता की रसोई का बजट निरन्तर बिगड़ता जा रहा है। पहले रसोई गैस, खाने का तेल और बिजली और और अन्य जरूरी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने परिवारों की जेब पर डाका डाला था वहीं अब चावल की कीमतों में आई तेज बढ़ोत्तरी ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। प्रदेश के समस्त हिस्सों में चावल के दामों में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिल रही है

स्थानीय बाजारों में जो चावल सामान्य रूप से 40 रुपये प्रति किलो मिल रहा था वहा पचास रुपए प्रति किलो तक पहुँच गया है किसी तरह 50रुपए प्रति किलो बिकने वाला चावल अब 65 रुपए प्रति किलों तक पहुँच चुका है।जबकि60 रु पै प्रति किलो वाला प्रीमियम चावल अब 75रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है। यानी विभिन्न श्रेणियों में। चावल की कीमतों में 25 से 30% की बढ़ोतरी हुई है। प्रदेश की महिलाएं पहले से घरेलू बजट में बढ़ती महंगाई की मार से। दबाव। में थी चावल जैसी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तु के दाम बढ़ने से परिवारों के बटुओं पर डाका पड़ गया है खाद्य पदार्थों की कीमतो में बढ़ोतरी का अधिक असर मध्यम वर्ग और उन परिवारों पर पड़ता है जो सार्वजनिक वितरण प्रणाली के दायरे में नहीं आते।

बाजार में यह भी चर्चा है ये प्रदेश में मिलिंग और थोक स्तर पर कीमतें बढ़ने का असर खुदरा बाजार तक पहुँचा है जिससे उपभोक्ताओं को अधिक कीमतें चुकानी पड़ रही है।हालांकि कीमतों में बढ़ोत्तरी के पीछे वास्तविक कारण और आपूर्ति व्यवस्था को लेकर सम्बन्धित विभागों की ओर से स्पष्ट जानकारी नहीं प्राप्त हो पायी है।फि लहाल सरकार से है ? कि, क्या सरकार या उनका तंत्र चावल और अन्य खाद्यानों की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम उठाएगी या आम जनता और महिलाओं को महँगाई का यह बोझ इसी तरह उठाते रहना पड़ेगा।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी 03 के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा, अभिषेक अवस्थी, लक्ष्मण सिंह, ख्वाजा अहमद,राजेंद्रपरगनिया(विधायक प्रतिनिधि) राजेश चौधरी(पार्षद), सुरेश वर्मा(पार्षद), आशीष यादव, रमाकांत दिशलहरें, प्रणय गाडगे, आकाश यादव, रोशन रिजवी, आदि नारायण, मेशांक मिश्रा, फतेह, न्यूब सिंह, नै गहरी चिंता और रोष व्यक्त किया है।

मोर गांव मोर पानी के तहत संतान के नाम अभियान, हर घर में बनेगा सोख्ता गड्ढा, जनभागीदारी से बढ़ेगा भूजल स्तर

बेमेतरा। जिले में भूजल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन 13 अगस्त 2026 से एक सोख्ता, संतान के नाम अभियान शुरू करने जा रहा है। यह अभियान मोर गांव मोर पानी के अंतर्गत चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य जिले के प्रत्येक परिवार को जल संरक्षण से जोड़ना है। इसके तहत प्रत्येक घर में जनसहयोग से कम से कम एक सोख्ता गड्ढा बनाया जाएगा। घरों की छत और आसपास की सतह से प्राप्त वर्षा जल को सोख्ता गड्ढे के माध्यम से जमीन में पहुंचाकर भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा दिया जाएगा। जिला प्रशासन नागरिकों को सोख्ता गड्ढे के निर्माण की तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा। ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों, युवाओं और स्वयंसेवी संगठनों की सहभागिता से अभियान को जनआंदोलन का रूप दिया जाएगा।

देशभक्ति के रंग में सराबोर हुआ भिलाई 80 मीटर का तिरंगा रहा आकर्षण का केन्द्र

भाजयुमो की भव्य तिरंगा रैली संपन्न, जुनवानी चौक से अग्रसेन चौक तक गूंजे भारत माता की जय के नारे,

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के आह्वान पर भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन एवं कार्यक्रम संयोजक पूनम शुक्ला के मार्गदर्शन तथा भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल के निर्देशन में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला भिलाई द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली गुरूवार को जुनवानी चौक से निकाली गई।

हाथों में तिरंगा, मुंह पर देशभक्ति के नारे

रैली में बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकताओं एवं राष्ट्रप्रेमी नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर सहभागिता की। पूरा मार्ग "भारत माता की जय", "वंदे मातरम्" एवं देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। युवाओं ने रैली के माध्यम से राष्ट्र की एकता, अखंडता और तिरंगे के सम्मान का संदेश दिया।

तिरंगा रैली जुनवानी चौक से प्रारंभ होकर सूर्या मॉल चौक, मेडबेकर चौक, के.पी.एस. चौक होते हुए अग्रसेन चौक पहुंची। यहां भारत माता की आरती के साथ कार्यक्रम का विधिवत समापन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता 80 मीटर लंबा तिरंगा ध्वज और पूर्व सैनिकों द्वारा 12 फिट ऊंचा ध्वज लेकर चलना रही। विशाल ध्वज को देखकर नागरिकों में देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला।

"तिरंगा एकता और बलिदान का प्रतीक": इस अवसर पर भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल ने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव और बलिदान का प्रतीक है। ह्यहर घर तिरंगाह्ण अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विधायक, प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य, मंडल अध्यक्ष, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे। भाजयुमो जिला महामंत्री अमि

---

12 सितंबर को होगी नेशनल लोक अदालत, प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा और छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मार्गदर्शन में वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर 2026 को किया जाएगा। इस संबंध में सोमवार को बैंक, विद्युत विभाग, बीएसएनएल और नगर पालिका परिषद के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती सरोज नंद दास ने की। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव भी उपस्थित रहीं।

अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के निर्देश : बैठक में अधिकारियों को प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत और पंजीकृत कराने तथा पक्षकारों को नोटिस की तामिली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि अधिक से अधिक प्रकरणों का आपसी सुलह और समझौते के माध्यम से निराकरण किया जाए। बैंक अधिकारियों को विशेष रूप से परक्राम्य लिखित अधिनियम की धारा 138 के तहत लंबित प्रकरणों में पक्षकारों के बीच आपसी सुलह से अधिक से अधिक मामलों का निपटारा करने को कहा गया। बैंक रिकवरी से जुड़े प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में समय पर नोटिस तामिली और सौहादर्पूर्ण वातावरण में राजीनामा के प्रयास करने पर बल दिया गया।

विभागों से मांगा सहयोग : बैठक में लीड बैंक मैनेजर, विभिन्न बैंकों के अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, विद्युत विभाग और बीएसएनएल के अधिकारी उपस्थित थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी विभागों से नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए अधिक से अधिक प्रकरणों का त्वरित और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने की अपेक्षा की है।

सेल सीएमडी डॉ. अशोक कुमार पंडा का दो दिवसीय भिलाई दौरा संपन्न

मुख्यमंत्री साय से की भेंट, रावघाट खदानों की समीक्षा, प्रोजेक्ट विहान का उद्घाटन, विस्तार के लिए मांगा सहयोग

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने 12 एवं 13 अगस्त को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का दो दिवसीय दौरा किया। दौरे के दौरान उन्होंने संयंत्र विस्तार के लिए राज्य सरकार का सहयोग मांगा, रावघाट खदानों की प्रगति की समीक्षा की और डिजिटल आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया।

सीएम विष्णुदेव साय से सौजन्य भेंट, विस्तार को मांगा सहयोग

दौरे के दौरान सीएमडी डॉ. पंडा ने रायपुर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सौजन्य भेंट की। उनके साथ निदेशक प्रभारी बीएसपी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन पवन कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सीएमडी ने सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के आगामी विस्तार के लिए राज्य सरकार के सहयोगात्मक समर्थन का आग्रह किया। उन्होंने मुख्य सचिव विकास शील, अउर वन एवं जलवायु परिवर्तन मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के मुख्य सचिव सुबोध कुमार सिंह तथा सचिव वित्त मुकेश कुमार बंसल से भी मुलाकात कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

रावघाट खदानों का किया निरीक्षण, रेल परियोजना पर दिया जोर

सीएमडी ने सेल-बीएसपी की रावघाट खदानों का दौरा कर खनन गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने रावघाट क्षेत्र में पूर्ण पैमाने पर खन परिचालन शीघ्र पूरा करने और दल्ली राजहरा-रावघाटझ्रजगदलपुर रेल परियोजना को गति देने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक माइंस कमल भास्कर, कार्यपालक निदेशक रावघाट अरुण कुमार और सीजीएम माइंस-रावघाट अनुपम बिष्ट भी उपस्थित थे।

सेल प्रबंध प्रशिक्षुओं का इंडक्शन और प्रोजेक्ट विहान का शुभारंभ

भिलाई आगमन पर CISF के जवानों ने सीएमडी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद उन्होंने सेल प्रबंध प्रशिक्षु टेक्निकल 2026 के सेंट्रल इंडक्शन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। 13 अगस्त को उन्होंने मानव संसाधन केंद्र में प्रोजेक्ट विहान के अंतर्गत सेल ईआरपी सेंटर का उद्घाटन किया। प्रोजेक्ट विहान सेल की एंटरप्राइज-वाइड ईआरपी आधुनिकीकरण पहल है, जिसके तहत लीगेसी SAP से SAP S/4HANA की डिजिटल प्रणाली में ट्रांजिशन किया जा रहा है।

बैठक में दिए निर्देश

इस्पात भवन में हुई समीक्षा बैठक में सीएमडी ने संयंत्र के प्रदर्शन, डिस्पैच बढ़ाने, सुरक्षा और उत्पादकता पर निरंतर ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने भविष्य के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने और रावघाट माइंस परियोजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इस दो दिवसीय दौरे को सेल-बीएसपी के उत्पादन, कच्चे माल की सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल आधुनिकीकरण और संयंत्र विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जानकारी

उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलीटेक्निक दुर्ग में तीन सप्ताह का परिचयात्मक कार्यक्रम शुरू

पॉलीटेक्निक के नवप्रवेशी स्टूडेंट ने जाना अपने संस्थान को, दुर्ग-भिलाई का इतिहास भी समझा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलिटेक्निक, दुर्ग में 10 अगस्त से तीन सप्ताह तक आयोजित होने वाले परिचयात्मक (इंडक्शन) कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रकाश कुमार पाण्डेय ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों को संस्था के शैक्षणिक माहौल, उपलब्ध सुविधाओं, अनुशासन तथा सर्वांगीण विकास के अवसरों से परिचित कराना है।

पहले दिन प्राचार्य प्रकाश कुमार पाण्डेय ने स्टूडेंट का स्वागत करते हुए उन्हें उच्च शिक्षा के इस नए सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह तीन सप्ताह का कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, संवाद कौशल और आपसी संबंध मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि उनके लिए यह गर्व की बात है कि क्वालिटी काउंसिल ऑफ इण्डिया द्वारा संस्था को राज्य के 39 पॉलिटेक्निक में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि संस्था का प्लेसमेंट 70 से 80 प्रतिशत तक प्रतिवर्ष रहता है। 31 अगस्त तक चलने वाले तीन सप्ताह के इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा प्रेरक व्याख्यान आयोजित होंगे, जिससे छात्र अपने करियर के प्रति जागरूक हो सकें। इस दौरान प्रथम सेमेस्टर प्रभारी डॉ. रचना सिंह ने संस्थान की जानकारी एक पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य माया सिंह, डॉ. काजल परगनिहा, डॉ. अर्चना साहू, डॉ. सतीश चन्द्रवंशी, सीमा दिल्लीवार, उषा गुप्ता और अरुणेश आत्मपूज्य सहित लगभग 300 छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे। एनएसएस कार्यकताओं का आयोजन को सफल बनाने में विशेष सहयोग रहा।

-पॉलीटेक्निक कहलाता था शासकीय विविध शिल्पकला मंदिर, रोचक इतिहास से हुए रूबरू

दुर्ग पॉलिटेक्निक के परिचयात्मक कार्यक्रम की श्रृंखला में दूसरे दिन 11 अगस्त का सत्र दुर्ग जिला और इस्पात नगरी भिलाई के इतिहास पर केंद्रित रोचक प्रस्तुतिकरण के नाम रहा। लेखक-पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन ने स्टूडेंट से संवाद करते हुए दुर्ग जिले के स्थापना काल की जुड़ी कई रोचक जानकारी दी।

दुर्ग पॉलिटेक्निक की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि स्थापना काल में इसे शासकीय विविध शिल्पकला मंदिर (पॉलीटेक्निक) के नाम से जाना जाता था। इसका उद्घाटन 14 जुलाई 1962 को अपने भिलाई प्रवास के दौरान तत्कालीन इस्पात मंत्री चिदंबरम सुब्रमण्यम ने किया था। हरित क्रांति के प्रणेता सुब्रमण्यम को साल 1998 में भारत रत्न से विभूषित किया गया था।

अपने प्रस्तुतीकरण में मुहम्मद जाकिर हुसैन ने स्टूडेंट को 1955 में भारत एवं सोवियत संघ (रूस) के सहयोग से स्थापित भिलाई इस्पात संयंत्र की दुर्लभ तस्वीरों-वीडियो के माध्यम से रोचक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग के स्टूडेंट को 1907 में बिना सीमेंट के चूना, रेत और फलों के गूदे से बने दुर्ग कलेक्ट्रेट भवन निर्माण की जानकारी दी। वहीं कालांतर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उदय प्रसाद उदय के सम्मान में पॉलीटेक्निक के नामकरण और महात्मा गांधी के दुर्ग प्रवास से जुड़े प्रसंगों की भी जानकारी दी। अंत में पॉलीटेक्निक परिवार की ओर से लेखक-पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन का सम्मान किया गया।

जामुल की समृद्धि ही मेरी प्राथमिकता रेखराम बंछोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जामुल नगर की समृद्धि और अन्नदाता किसान साथियों के बेहतर फसल की कामनाओं के लिए पूर्व पालिका अध्यक्ष रेखराम बंछोर अपनी टीम के साथ दक्षिण भारत तीर्थ यात्रा पर निकले है इनकी ये यात्रा 12 से 15 दिन तक हो सकती है।

श्रद्धालुओं के स्वागत मंडल अध्यक्ष प्रशांत बंटी गुप्ता, महामंत्री ओमप्रकाश साहू, मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा रामकृष्ण साहू, पूर्व पार्षद मेघनाथ साहू, ठऋ जिला सहसंयोजक ऋषभ बंछोर, पंडित कमल पांडे, महामंत्री डइउ मोर्चा नटवरलाल वर्मा, मनीष साहू, महिपाल ठाकुर, पांचू राम सेन, जगदीश देवांगन द्वारा स्वागत कर मंगलमय यात्रा के लिए प्रार्थना किया गया। बंछोर ने बताया कि यह यात्रा जामुल नगर और किसान भाइयों के समृद्धि के लिए प्रार्थना करने के लिए होगा जिसमें महाप्रभु बालाजी, श्रीसैलम, मलिकार्जुन, मधुराई, रामेश्वरम और कन्याकुमारी दर्शन शामिल है। इस साधना भक्ति के लिए श्रद्धालुओं में बंछोर के साथ शिव वर्मा, बालू साहू, श्रीलाल चक्रधारी, राम विश्वास प्रजापति, जनक साहू, रामकिशुन पटेल, प्रह्लाद जंघेल सहित रवाना हुए। भाजपा जामुल मंडल सभी श्रद्धालुओं की मनोकामना के लिए प्रार्थना करती है।

सतलुज जैसी फिल्में छिपे सच सामने लाती हैं, इसलिए मुश्किल में पड़ती हैं

फिल्म 'सतलुज' पर हाल ही में जिमी शेरगिल ने अपना रिएक्शन दिया है। इस फिल्म की रिलीज पर लगी रोक को लेकर जब उनसे सवाल किया गया तो अभिनेता ने कहा कि इतिहास के राजनीतिक रूप से संवेदनशील दौर को दिखाने वाली फिल्में अक्सर मुश्किलों में पड़ जाती हैं, क्योंकि वे छिपे हुए सच सामने लाती हैं। इससे चीजें अपने आप पेचीदा और राजनीतिक हो जाती हैं।

जिमी शेरगिल ने क्या कहा

संवेदनशील विषय पर बनी फिल्म 'सतलुज' रिलीज क्यों नहीं हो पाई, जबकि इसी तरह के विषय पर बनी उनकी अपनी पहली फिल्म 'माचिस' को काफी सराहा गया था। जिमी शेरगिल ने इसका दिलचस्प जवाब दिया। फिल्म 'सतलुज' रिलीज विवाद को लेकर शेरगिल शेरगिल ने एक इंटरव्यू में कहा, 'राजनीति होती है और हमेशा होती रहेगी, लेकिन जब ऐसे मुद्दों को उठाया जाता है तो यह अच्छी बात है, क्योंकि इससे हर पहलू खुलकर सामने आता है। जब आप संवेदनशील मामलों के किसी एक पहलू को भी छूते हैं, तो दूसरे छिपे हुए पहलू भी सामने आ जाते हैं। तो, यही इसकी राजनीति है'।

जी5 से हटाई गई सतलुज

बता दें कि एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म 'सतलुज' पिछले महीने भारत में रिलीज हुई थी, लेकिन सिर्फ दो दिन बाद ही यह भारत में इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं रही। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की जिंदगी पर बनी यह फिल्म तीन साल से ज्यादा समय तक सेंसरशिप में फंसी रही और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इसमें 127 कट लगाने को कहा था।

कब रिलीज हुई थी माचिस?

बता दें कि फिल्म 'माचिस' साल 1996 में रिलीज हुई थी। गुलजार निर्देशित फिल्म 'माचिस' 1980 के दशक में पंजाब में उथल-पुथल भरे उग्रवाद के दौर पर आधारित थी। चंद्रचूर सिंह, ओम पुरी और तब्बू जैसे सितारों से सजी यह पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसमें हिंसा में फंसे लोगों की निजी और राजनीतिक उथल-पुथल को दिखाया गया।

आलिया ने दीपिका-रश्मिका को पछाड़ा, भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनीं

अभिनेत्री आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे सफल और भरोसेमंद स्टार्स में से एक बन गई हैं। स्क्रीन पर शानदार परफॉर्मेंस देने से लेकर एक कामयाब कारोबारी बनने तक इस अभिनेत्री ने फिल्मों से आगे बढ़कर अपना प्रभाव बढ़ाया है।

आलिया ने रश्मिका को पछाड़ा

उनकी बढ़ती लोकप्रियता अब लेटेस्ट सेलिब्रिटी ब्रांड रैंकिंग में भी दिखाई दी है, जिसमें वह भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनकर उभरी हैं। क्रॉल की सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2025 के अनुसार, आलिया ने दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना जैसी स्टार्स को पीछे छोड़ते हुए देश का सबसे वैल्यूएबल महिला सेलिब्रिटी ब्रांड का स्थान हासिल किया है।

किस स्थान पर हैं आलिया?

जहां शाहरुख खान ने ओवरऑल रैंकिंग में टॉप स्थान बनाए रखा, वहीं आलिया ने 93.9 मिलियन (लगभग 892 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ छठा स्थान हासिल किया। उनकी रैंकिंग उन्हें कई बड़े पुरुष एक्टर्स से भी आगे रखती है। इनमें उनके पति रणबीर कपूर भी शामिल हैं, जो 80 मिलियन (लगभग 761 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ 10वें स्थान पर हैं।

दीपिका पादुकोण को छोड़ा पीछे

टॉप 10 में शामिल होने वाली दूसरी महिला सेलिब्रिटी दीपिका पादुकोण हैं। वह 89.2 मिलियन (लगभग 849.35 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यू के साथ सातवें स्थान पर हैं।

कारोबार में किया निवेश

आलिया की लगातार तरक्की सिर्फ फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस की वजह से नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में, एक्ट्रेस ने बॉक्स ऑफिस हिट्स से लेकर कारोबार में भी अपनी खास पहचान बनाई है। वह कई ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं।

बनाया अपना ब्रांड

आलिया भट्ट ने बच्चों और माताओं के लिए अपना एक ब्रांड शुरू किया है। उन्होंने कुछ स्टार्टअप्स में भी निवेश किया है। आलिया भट्ट ने फिल्म प्रोडक्शन के जरिए एक्टिंग के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी अपनी काबिलियत साबित की है।

क्या सलमान और नयनतारा के साथ नजर आएंगे जैकी श्रॉफ

निर्देशक वामशी पैदिपल्ली के साथ सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'SVC63' की चर्चा बढ़ती जा रही है। एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि बॉलीवुड का एक और मशहूर चेहरा इस फिल्म से जुड़ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता जैकी श्रॉफ, सलमान खान और नयनतारा स्टारर इस फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैकी ने मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में वह एक अहम रोल में नजर आएंगे। चर्चाओं के उलट, वह विलेन का रोल नहीं कर रहे हैं, बल्कि फिल्म की कहानी में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। दावा यह भी है कि राहुल देव, अभिमन्यु सिंह और अरविंद स्वामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे। इसमें यह भी बताया गया है कि भारत में शूटिंग का शेड्यूल अगस्त के आखिर तक खत्म होने की उम्मीद है, जिसके बाद टीम छोटे से शेड्यूल की शूटिंग के लिए यूरोप जाएगी। दिलचस्प बात यह है कि पहले ऐसी खबरें थीं कि अनिल कपूर फिल्म में एक अहम रोल निभाएंगे। हालांकि, इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। अब जैकी श्रॉफ के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की खबरों के बीच, यह साफ नहीं है कि क्या उन्होंने वही रोल लिया है जो पहले अनिल कपूर से जुड़ा था।

जीतने के लिए डाउन एंड डर्टी होने की जरूरत नहीं

मशहूर टीवी होस्ट और अभिनेत्री मिनी माथुर इन दिनों वेब रियलिटी शो 'द अलायंस' की विजेता के तौर पर सुर्खियों बटोर रही हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में रियलिटी शो में, स्मार्ट गेमप्ले और डर्टी गेमप्ले के बीच के अंतर पर बात की। अभिनेत्री का मानना है कि ऐसे शोज में कुछ हद तक मैनिपुलेशन होता है। उन्होंने कहा कि कई बार खिलाड़ी अपनी रणनीति के तहत दूसरे का गेम अंडरप्ले करवाने की कोशिश करते हैं। अगर इससे किसी की अपनी रणनीति को फायदा मिलता है, तो यह गेम का हिस्सा माना जा सकता है, हालांकि वह पर्सनल अटैक में विश्वास नहीं करती हैं। उन्होंने कहा कि किसी के जेंडर का अपमान करना गलत है। सिर्फ माहौल खराब करने के लिए चिल्लाना भी सही नहीं है। रणनीति के साथ खेलना और किसी को नीचा दिखाकर आगे बढ़ना, दोनों अलग बातें हैं। इन दोनों के बीच बहुत बारीक फर्क होता है। उम्मीद है मेरी जीत दूसरे रियलिटी शो को यह मैसेज देगी कि जीतने के लिए आपको डाउन एंड डर्टी होने की जरूरत नहीं है। आप गेम के नियमों के अंदर सीधे, तेज, स्ट्रैटजिक और मैनिपुलेटिव भी हो सकते हैं। आप पचास से ज्यादा उम्र की महिला भी हो सकती हैं और फिर भी अपनी आधी उम्र के कंटेस्टेंट को हरा सकती हैं।' मिनी माथुर ने कुशाल टंडन के व्यवहार के बारे में भी बात की। उनका मानना है कि कुशाल वैसे ही हैं जैसे कैमरे में दिखते हैं। शायद यही बात उनके फैंस को पसंद आती है। उन्होंने कहा, 'मुझे कभी नहीं लगा कि वे कैमरों के लिए परफॉर्म कर रहे हैं। असल जिंदगी में भी वे ऐसे ही बात करते हैं। हालांकि कई मौकों पर मैंने उनसे बोला था कि उन्हें अपना अग्रेसन कम करना चाहिए, लेकिन उन्हें लगता था कि उनकी ऑडियंस उन्हें वैसे ही पसंद करती है जैसे वे हैं।' अभिनेत्री नेकहा कि कुशाल बहुत ही सच्चे व्यक्ति हैं क्योंकि शो में वे जिन लोगों के साथ शुरू में खड़े थे, आखिरी तक उन्होंने उनका साथ दिया था। फिर सोहेल भाई हों, रेबा हों या मैं, वे पूरे सफर में सच्चे रहे।

आवारापन फिल्म आज भी मेरे लिए बहुत मायने रखती है, 'आवारापन 2' की टीम को मोहित सूरी ने दी बधाई

मोहित सूरी ने 'आवारापन' का पहला पार्ट डायरेक्ट किया था। अब फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला है। फिल्म के अगले हिस्से पर बात करते हुए डायरेक्टर थोड़ा भावुक होते नजर आए। फिल्म के सीक्वल की रिलीज से पहले, उन्होंने सीक्वल के निर्देशक नितिन कक्कड़ और पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। जैसे कोई पुराना प्यार, या ऐसा दोस्त जिससे काफी समय से मुलाकात नहीं हुई, लेकिन आज भी बहुत याद आता है। 19 साल बाद भी यह फिल्म मेरे लिए उतनी ही मायने रखती है। धन्यवाद नितिन कक्कड़, आपने मेरे दिल के इतने करीब चीज को फिर से जिंदा किया, वो भी इतने प्यार, खूबसूरती और संवेदनशीलता के साथ। इस फिल्म पर काम करने वाले कई लोगों के साथ मैं पहले काम कर चुका हूं और आगे भी करूंगा। आप सबने बहुत शानदार काम किया है। इस ट्रेलर को देखकर मुझे बहुत सारी पुरानी यादें ताजा हो गईं।'

इमरान और दिशा के लिए खास नोट

उन्होंने आगे एक्टर इमरान हाशमी और दिशा पटानी का भी जिक्र किया। मोहित ने आगे लिखा, 'दिशा पटानी, मुझे तुम पर बहुत गर्व है, हमेशा की तरह। और इमरान हाशमी, मेरे हीरो और हमेशा हीरो रहोगे। मुझे यकीन है तुमने इस बार भी अपना पूरा दिल लगा दिया होगा, जैसे 18 साल पहले किया था। और मेरे छोटे भाई विशेष भट्ट– मैंने यह जिम्मेदारी तुम्हें दे दी है, और अब मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दुनिया तुम्हारा जादू देखे। शुभकामनाएं मेरे भाई। ट्रेलर बहुत पसंद आया। आप सभी को ढेर सारी बधाई। सभी लोग 14 अगस्त को सिनेमाघरों में जाकर 'आवारापन 2' जरूर देखें। तो फिर आओ... मुझको सताओ... मुझको रुलाओ।' 'आवारापन 2' के बारे में नितिन कक्कड़ के निर्देशन में बनी और विशेष फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस 'आवारापन 2' 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी नजर आएंगी, जो जारा के किरदार में एक्शन करती दिखेंगी।

फरहाना भट्ट ने 'खतरों के खिलाड़ी 15' से जुड़े अनुभव किए साझा

रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के लिए केप टाउन पहुंचीं फरहाना भट्ट के लिए यह सफर सिर्फ खतरनाक स्टंट्स का नहीं बल्कि खुद से लड़ाई का भी था। अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में उन्होंने उस पल को याद किया, जब एक स्टंट के दौरान सब कुछ छोड़कर भारत लौटने तक का मन बना लिया था।

रोहित शेट्टी भी रह गए थे हैरान

शो का पहला ही स्टंट फरहाना को उनके कंफर्ट जोन से बाहर ले गया। वह कहती हैं, 'पहला स्टंट ही मेरे कंफर्ट जोन से बहुत बाहर था। मुझे खुद नहीं पता था कि मैं वो स्टंट कर भी पाऊंगी या नहीं। लेकिन जब मैंने उसे पूरा किया तो रोहित सर भी थोड़ा सरप्राइज थे। वो स्टंट मेरी पहुंच और मेरे कंफर्ट जोन, दोनों से बहुत बाहर था।'

उस पल लगा कि मुझे इंडिया वापस जाना है

फरहाना उस भयावह पल को याद करते हुए कहती हैं, 'एक दिन ऐसा आया था, जब स्टंट के दौरान मेरी जिंदगी का सबसे डरावना पल सामने आया। उस वक्त मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही बात चल रही थी कि बस अब मुझे इंडिया वापस जाना है। मुझे घर जाना है। कुछ पल के लिए मैं पूरी तरह घबरा गई थी। सच कहूं तो उस वक्त लगा कि अब मुझसे नहीं होगा।'

'खतरों के खिलाड़ी' भी मेरा डर खत्म नहीं कर पाया

जहां कई प्रतियोगी कहते हैं कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनका डर खत्म कर दिया, वहीं फरहाना का जवाब बिल्कुल अलग है। वह साफ कहती हैं, 'मेरा कोई भी फियर दूर नहीं हुआ। मेरे सारे फियर आज भी बरकरार हैं।'

अब छोटी-छोटी बातों पर हंसी आती है

फरहाना आगे कहती हैं, 'एक बड़ा बदलाव शो कारण जरूर आया है। अब मुझे लगता है कि मैं जिंदगी में उन हालात से गुजर चुकी हूं, जहां इंसान मौत के बहुत करीब पहुंच जाता है। इसलिए अब लाइफ में कुछ भी होता है तो मैं उसे बहुत शांत होकर देखती हूं। कई बार तो कुछ परिस्थितियों पर हंसी भी आ जाती है कि अच्छा यह सब हो रहा है, चलो ठीक है।'

रुबिना और करण ने साथ दिया

फरहाना बताती हैं कि शो में रुबिना और करण ने सबसे ज्यादा साथ दिया। वह कहती हैं, 'वैसे तो सभी लोगों ने मुझे सपोर्ट किया, लेकिन अगर नाम लेने हों तो मैं रुबिना और करण का नाम लूंगी। दोनों ने पूरे सफर में मेरा साथ दिया।'

ड्रामा क्वीन मैं खुद हूं

साथी कंटेस्टेंट्स को मजेदार टैग देने की बारी आई तो फरहाना ने सबसे पहले अपना ही नाम लिया। वह हंसते हुए कहती हैं, 'ड्रामा क्वीन का खिताब मैं खुद को दूंगी।' 'ओवरकॉन्फिडेंट' के सवाल पर उन्होंने किसी का नाम लेने से इनकार कर दिया। 'अंडररेटेड' के लिए उन्होंने अपना और ओरी का नाम लिया। वहीं, 'डेंजरस कॉम्पिटिटर' के लिए खुद को चुना, जबकि सबसे बड़े एंटरटेनर का टैग हर्ष गुजराल को दिया।

'बिग बॉस से ज्यादा मुश्किल है 'खतरों के खिलाड़ी'

'बिग बॉस' और 'खतरों के खिलाड़ी 15' की तुलना पर फरहाना कहती हैं, 'खतरों के खिलाड़ी ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि यह शो आपको सिर्फ फिजिकली नहीं मेंटली भी बहुत थका देता है। जब तक आप मानसिक रूप से तैयार नहीं होंगे, तब तक स्टंट कर ही नहीं सकते हैं। हर स्टंट में आपका दिमाग और शरीर दोनों सौ फीसदी काम करते हैं। इसलिए मेरे लिए 'खतरों के खिलाड़ी' ज्यादा थका देने वाला शो रहा।'

डेंगू को लेकर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव गंभीर

टाउनशिप सहित पूरे भिलाई में सफाई और रोकथाम के पुख्ता इंतजाम के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम भिलाई के टाउनशिप क्षेत्र में डेंगू के दो संदिग्ध मरीज सामने आने के बाद भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने मामले को गंभीरता से लिया है। इनमें से एक मरीज की एलाइजा जांच पॉजिटिव पाई गई है, जिसका उपचार जारी है और स्वास्थ्य स्थिति ठीक बताई जा रही है।

निगम व स्वास्थ्य विभाग को दिए विशेष निर्देश

विधायक देवेंद्र यादव ने डेंगू संक्रमण की रोकथाम के लिए नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने टाउनशिप क्षेत्र सहित पूरे भिलाई शहर में सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने, जलजमाव वाले स्थानों की नियमित निगरानी करने और मच्छरों की रोकथाम के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने को कहा है। विधायक की ओर से स्वास्थ्य विभाग को पत्र जारी कर डेंगू की रोकथाम के लिए पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि संभावित संक्रमण वाले क्षेत्रों में नियमित निगरानी और स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि संक्रमण आगे न फैले।

"लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं"

देवेंद्र यादव ने कहा कि डेंगू की रोकथाम केवल मरीजों के उपचार तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसके लिए पहले से ही प्रभावी कदम उठाना जरूरी है। शहर में कहीं भी पानी जमा न हो, नियमित साफ-सफाई हो और मच्छरों के लार्वा पनपने की संभावित जगहों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों से आपसी समन्वय के साथ काम करने और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए।

नागरिकों से अपील

विधायक ने शहरवासियों से भी अपील की है कि वे अपने घरों और आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर, गमले, टंकियों सहित अन्य स्थानों की नियमित सफाई करें और डेंगू से बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतें। विधायक ने स्पष्ट किया कि शहरवासियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए सफाई, निगरानी और रोकथाम के सभी जरूरी उपाय प्रभावी ढंग से किए जाने चाहिए। डेंगू की रोकथाम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

18 वर्ष पुराने खैरागढ़ शिक्षाकर्मी भर्ती घोटाले में 38 के खिलाफ 1500 पन्नों का चालान पेश

स्क्रीनिंग कमेटी के 2 सदस्यों सहित 36 चयनित अभ्यर्थी आरोपी, फर्जी दस्तावेजों से हुआ था चयन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

वर्ष 2007-08 के खैरागढ़ शिक्षाकर्मी वर्ग-3 भर्ती अनियमितता प्रकरण में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो एडह ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में स्क्रीनिंग कमेटी के 02 सदस्यों सहित कुल 38 आरोपियों के विरुद्ध माननीय विशेष न्यायालय, राजनांदगांव में लगभग 1500 पृष्ठों का चालान पेश किया गया है।

क्या था मामला

यह प्रकरण जनपद पंचायत खैरागढ़ में शिक्षाकर्मी वर्ग-3 के 135 पदों की भर्ती से जुड़ा है। भर्ती के लिए 04 सदस्यीय स्क्रीनिंग कमेटी गठित की गई थी, जिसे अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच कर नियमानुसार चयन करना था। प्रक्रिया में कुल 123 अभ्यर्थियों का चयन किया गया था। शिकायत मिली थी कि चयनित 123 अभ्यर्थियों में से 89 के अनुभव प्रमाण-पत्र, खेलकूद, एनसी और शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेज फर्जी एवं कूटरचित हैं।

विवेचना में क्या सामने आया

ब्यूरो ने अपराध क्रमांक 55/2009 धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी आईपीसी एवं धारा 13(1)(डी) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना में शिकायत में उल्लेखित 89 में से 39 अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच पूरी की गई। जांच में पाया गया कि 36 अभ्यर्थियों ने फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज प्रस्तुत किए थे। यह भी पाया गया कि स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्यों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अभ्यर्थियों से सांठगांठ की। फर्जी दस्तावेजों को असली मानकर स्वीकार किया गया, अनुचित रूप से अंक दिए गए और दस्तावेजों का सत्यापन जानबूझकर नहीं कराया गया।

किनके खिलाफ चालान

प्राप्त तथ्यों के आधार पर स्क्रीनिंग कमेटी के 02 सदस्य - प्रकाश मेश्राम, तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत खैरागढ़ और टीकाराम साहू, तत्कालीन विकासखंड शिक्षा अधिकारी, खैरागढ़ तथा फर्जी दस्तावेज देने वाले 36 चयनित अभ्यर्थियों सहित कुल 38 आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रकरण में 3 मृत आरोपियों के विरुद्ध आरोप समाप्त करने के लिए न्यायालय में प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया गया है।

जांच जारी : ब्यूरो अधिकारियों ने बताया कि प्रकरण के अन्य बिंदुओं और शेष चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच एवं अग्रिम विवेचना अभी जारी है।

केस का मुख्य बिन्दु

भर्ती वर्ष: 2007-08 में जनपद पंचायत खैरागढ़ में शिक्षाकर्मी वर्ग-3 के 135 पदों पर भर्ती हुई थी। कुल 123 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

आरोप: शिकायत में कहा गया कि चयनित 123 में से 89 अभ्यर्थियों के अनुभव, खेलकूद, एनसी और शैक्षणिक दस्तावेज फर्जी थे।

विवेचना: जांच में 39 अभ्यर्थियों के दस्तावेज खंगाले गए, जिनमें 36 ने फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज पेश करना स्वीकार किया।

कार्रवाई: स्क्रीनिंग कमेटी के 2 सदस्य - प्रकाश मेश्राम और टीकाराम साहू सहित 36 अभ्यर्थियों के खिलाफ 1500 पन्नों का चालान विशेष न्यायालय राजनांदगांव में पेश।

आगे की प्रक्रिया: 3 मृत आरोपियों के खिलाफ आरोप समाप्त करने प्रतिवेदन दिया गया है। शेष अभ्यर्थियों की जांच और विवेचना अभी जारी है।

फूलों की बरसात से हुआ वीर सैनिकों का भव्य स्वागत

'वीर वंदन' में पूर्व सैनिकों के साथ पत्रकार भी हुए सम्मानित, BSF कमांडेंट ने की सराहना

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्र की सुरक्षा में जीवन समर्पित करने वाले वीर सैनिकों के सम्मान में डिस्ट्रिक्ट CG-1 स्वर्णिम एवं लीनेस क्लब भिलाई मेन के संयुक्त तत्वावधान में 'वीर वंदन' सैनिक सम्मान समारोह सागर इंटरनेशनल होटल दुर्ग में अत्यंत गरिमामयी एवं भावपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

फूलों की वर्षा से हुआ वीरों का अभिनंदन

समारोह की सबसे आकर्षक झलक तब देखने को मिली जब वरिष्ठ एवं पूर्व सैनिकों के होटल परिसर में प्रवेश करते ही उन पर पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सम्मान प्राप्त कर रहे वरिष्ठ सैनिकों के चेहरों पर प्रसन्नता और भावुकता साफ दिखाई दे रही थी।

लीनेस क्लब की चार्टर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट लीनेस रश्मि अग्रवाल ने कहा कि सैनिक केवल सीमा पर खड़े होकर देश की रक्षा नहीं करते, बल्कि उनका त्याग, अनुशासन और समर्पण पूरे देश में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना पैदा करता है। 'वीर वंदन' उसी कृतज्ञता को व्यक्त करने का प्रयास है।

बीएसएफ कमांडेंट बोले- ऐसे आयोजन देते हैं देशभक्ति का संदेश

कार्यक्रम की अध्यक्षता फ्रंटियर मुख्यालय इरऋछत्तीसगढ़ के कमांडेंट श्री विवेक श्रीवास्तव ने की। उन्होंने कहा कि सैनिकों का सम्मान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज की कृतज्ञता और राष्ट्र के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को राष्ट्रसेवा, अनुशासन और त्याग की प्रेरणा देते हैं।

50 से अधिक वीर सैनिक और पत्रकार हुए सम्मानित

इस अवसर पर चंद्र मोहन ठरऋकमांडो, हॉनरेरी लेफ्टिनेंट के.पी. यादव, हॉनरेरी कैप्टन ओपी सिंह सहित 50 से अधिक पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया। शहीद दुवार्सा लाल निषाद के पिता एवं शहीद कौशल यादव के भाई राम वचन यादव को भी विशेष सम्मान दिया गया। सैनिकों ने अपने सेवा-काल के संस्मरण साझा कर उपस्थितजनों को भावुक कर दिया।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में हरिभूमि की संगीता मिश्रा, दैनिक भास्कर के युवराज पांडे, दैनिक राजधानी के तरुण पटेल, क्ठ24 की दीपमाला सिन्हा सहित अनेक पत्रकारों एवं न्यूज चैनल प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया।

देशभक्ति प्रस्तुतियों ने बांधा समां

लीनेस क्लब की वीरांगना और तेजस्विनी टीम ने देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। लीनेस हेमा राय, जाहिद अली एवं वत्सला साहू के देशभक्ति गीतों ने माहौल को राष्ट्रभक्ति से भर दिया।

समारोह में महापौर दुर्ग की प्रतिनिधि संजय बोहरा, पद्मश्री एवं अर्जुन पुरस्कार विजेता सबा अंजुम, साहित्यकार कैलाश बरमेचा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंच संचालन लीनेस मीना सिंह, लीनेस विभा भूटानी एवं कैलाश बरमेचा ने किया। लीनेस क्लब भिलाई मेन की प्रेसिडेंट लीनेस रेवेका बेदी ने आभार व्यक्त किया।

आयोजकों ने कहा कि वीर वंदन ने यह संदेश दिया कि सैनिक भले ही सेवा से निवृत्त हो जाएं, लेकिन राष्ट्र के प्रति उनका योगदान और सम्मान कभी सेवानिवृत्त नहीं होता।

महापौर अलका बाघमार का औचक निरीक्षण, निर्माण कार्यों की खुली पोल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने नागरिकों से मिली शिकायत को गंभीरता से लेते हुए वार्ड क्रमांक 23 स्थित दीपक नगर में बिना पूर्व सूचना के औचक निरीक्षण किया। महापौर ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर के साथ मौके पर पहुंचकर क्षेत्र में चल रहे नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति और गुणवत्ता का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माण कार्य में सरिया के इस्तेमाल में गंभीर अनियमितता पकड़ी। मौके पर निर्धारित मापदंडों के विपरीत सरिया लगाए जाने की बात सामने आई। जहां 4 एमएम की सरिया लगनी थी, वहां 8 एमएम और जहां 8 एमएम की सरिया निर्धारित थी, वहां 4 एमएम की सरिया लगाए जाने की जानकारी मिली। इस पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए संबंधित ठेकेदार को कड़ी हिदायत दी तथा नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्माण की गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति जानने के लिए महापौर ने मौके पर ही नाली एवं पुलिया के निर्माण को तुड़वाकर अंदर से जांच कराई। उन्होंने निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री, सरिया और निर्माण की तकनीकी गुणवत्ता को स्वयं परखा। जांच के दौरान गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जल्द ही अतिक्रमण मुक्त होगा भिलाई का सिविक सेंटर

व्यवस्थित होगी पार्किंग, सफेद पट्टी के बाहर वाहन खड़े करने पर होगी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

भिलाई के हृदय स्थल कहे जाने वाले सिविक सेंटर को अतिक्रमण मुक्त, सुव्यवस्थित और सुगम यातायात वाला क्षेत्र बनाने के लिए पुलिस प्रशासन ने पहल शुरू कर दी है। शाम के समय बाजार में लगने वाले जाम की समस्या को देखते हुए यातायात पुलिस ने व्यापारियों के साथ चर्चा कर कई अहम बिंदुओं पर सहमति बनाई है। पुलिस उप महानिरीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल ने पुलिस टीम के साथ सिविक सेंटर का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान व्यापारीगण और आम नागरिकों से यातायात व पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने पर बातचीत हुई। भिलाई इस्पात संयंत्र और नगर निगम की टीम के साथ समन्वय कर आगे कार्रवाई की जाएगी।

पार्किंग व्यवस्था में होंगे ये बड़े बदलाव : सड़क के किनारे निर्धारित स्थानों पर कार और बाइक पार्किंग के लिए अलग-अलग बोर्ड लगाए जाएंगे। वाहनों को केवल सफेद पट्टी के अंदर ही पार्क करने की अनुमति होगी। सफेद पट्टी के बाहर वाहन खड़ा करने पर नियमानुसार चालानी और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सभी दुकानदार अपनी और कर्मचारियों की गाड़ियां दुकान के सामने सड़क पर न खड़ी कर निर्धारित पार्किंग स्थल पर लगाएंगे। अवैध झाड़ियों और अनावश्यक पेड़-पौधों की कटाई-छंटाई कर स्थानों पर सफेद पट्टी की मार्किंग की जाएगी। प्रत्येक दुकानदार आपसी सहमति से पार्किंग व्यवस्था के लिए गार्ड नियुक्त करेंगे, जो लोगों से वाहन सही जगह पार्क कराने की अपील करेंगे। सिविक सेंटर क्षेत्र में संचालित अवैध दुकानों और अतिक्रमण को हटाया जाएगा। पार्किंग के रूप में विकसित किए जा सकने वाले उपयुक्त स्थानों को चिन्हित कर पार्किंग क्षेत्र घोषित किया जाएगा।

नागरिकों से अपील : यातायात पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि सिविक सेंटर या शहर के अन्य स्थानों पर जाएं तो वाहन को सफेद पट्टी के अंदर निर्धारित स्थान पर ही पार्क करें। सड़क पर इधर-उधर या नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। पुलिस प्रशासन का कहना है कि उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि व्यापारियों, आम नागरिकों और प्रशासन के सहयोग से सिविक सेंटर को एक व्यवस्थित, अतिक्रमण मुक्त और सुगम यातायात वाला क्षेत्र बनाना है।

अंडरब्रिज से आकाशगंगा मार्ग होगा वन-वे, सर्विस रोड अतिक्रमण मुक्त करने पर सहमति

सुपेला में यातायात व्यवस्था सुधारने को लेकर व्यापारियों के साथ हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

सुपेला क्षेत्र में यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए यातायात पुलिस दुर्ग ने व्यापारियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में सड़क पर वाहन खड़ा न करने, वन-वे व्यवस्था लागू करने और सर्विस रोड को व्यवस्थित करने पर महत्वपूर्ण सहमति बनी।

पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा नेशनल हाईवे, सर्विस रोड और बाजार को अतिक्रमण मुक्त करने अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और उप पुलिस अधीक्षक यातायात ने सुपेला के व्यापारियों के साथ चर्चा कर यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के बिंदुओं पर सहमति बनाई।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय

सड़क पर नो-पार्किंग: व्यापारियों को सड़क पर वाहन खड़ा न करने और यातायात में बाधा उत्पन्न न करने की समझाइश दी गई।

वन-वे व्यवस्था: सुपेला अंडरब्रिज से आकाशगंगा की ओर जाने वाले मार्ग को वन-वे करने पर सहमति बनी।

सर्विस रोड अतिक्रमण मुक्त: नगर निगम के सहयोग से सर्विस रोड को अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग से मुक्त कर यातायात के लिए सुगम बनाया जाएगा।

वैकल्पिक कनेक्टिविटी: सर्विस रोड को मुख्य मार्ग से दो स्थानों पर जोड़ने की कार्ययोजना तैयार की जाएगी, ताकि वाहनों का दबाव कम हो सके।

जनजागरूकता: व्यापारियों से अपील की गई कि वे अपने ग्राहकों और कर्मचारियों को भी सड़क पर वाहन पार्क न करने के लिए प्रेरित करें।

संयुक्त कार्रवाई: यातायात पुलिस और नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्र का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था व्यवस्थित करने की कार्रवाई की जाएगी।

नागरिकों से अपील : यातायात पुलिस ने आम नागरिकों और व्यापारियों से अपील की है कि सड़क एवं सर्विस रोड को पार्किंग स्थल न बनाएं। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें।

0 निकुम में डीएलएसए की अनूठी पहल, सामुदायिक मध्यस्थता और कानूनी अधिकारों का दिया संदेश

जब हरेली पर न्याय पहुँचा गाँव की गलियों तक- बैलगाड़ी बनी "Justice on Wheels"

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हरेली के अवसर पर ग्राम निकुम में न्याय और कानून का संदेश बैलगाड़ी पर सवार होकर गाँव की गलियों तक पहुँचा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने परंपरा और नवाचार को जोड़ते हुए "Justice on Wheels" के माध्यम से ग्रामीणों को कानूनी जागरूकता और सामुदायिक मध्यस्थता का पाठ पढ़ाया।

बैलगाड़ी बनी न्याय का वाहन

कार्यक्रम की शुरूआत ग्राम पंचायत भवन से हुई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में स्थायी लोक अदालत की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा लकड़ा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भूपेश कुमार बसंत एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने ग्रामीणों से सीधे संवाद किया।

अधिकारियों ने बताया कि हर छोटी बात को विवाद और हर विवाद को मुकदमा बनाना जरूरी नहीं है। कई समस्याओं का समाधान बातचीत, समझ और आपसी सहमति से भी संभव है। इसके बाद हरेली की सजी-धजी पारंपरिक बैलगाड़ी "Justice on Wheels" बनकर गाँव में निकली। इसमें न्यायिक अधिकारी, कम्यूनिटी मीडियेटर्स, कल्याण लॉ कॉलेज के अध्यापक-विद्यार्थी और पैरालीगल वालेंटियर्स सवार थे। बैलगाड़ी मोहल्लों और गलियों में पहुंची, जहां लोगों को कानूनी अधिकार, सामुदायिक मध्यस्थता, नशामुक्ति, बाल संरक्षण, महिला अधिकार और साइबर सुरक्षा की जानकारी दी गई।

पौधारोपण से जुड़ा हरियाली का संदेश

न्यायिक अधिकारियों ने इस दौरान पौधारोपण भी किया और हरेली की हरियाली को न्याय एवं सामाजिक सौहार्द के संदेश से जोड़ा। परंपरा और नवाचार के इस अनोखे मेल ने ग्रामीणों और युवाओं को विशेष रूप से आकर्षित किया।

"न्याय की शुरूआत चौपाल से भी हो सकती है"

DLSA सचिव उमेश कुमार भागवतकर ने कहा कि निकुम की यह पहल केवल विधिक जागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह संदेश है कि न्याय की शुरूआत कभी-कभी न्यायालय की इमारत से नहीं, बल्कि गाँव की चौपाल और सार्थक संवाद से होती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग की यह पहल सामुदायिक मध्यस्थता को जन-जन तक पहुंचाने और विवाद-मुक्त, जागरूक एवं न्याय-सशक्त समाज बनाने की दिशा में एक अभिनव कदम मानी जा रही है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202608101000109

विषय:- अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:- 2025-2026,
कुरूद प.ह.न. 00046 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार-संध्या मिश्रा, अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक - संध्या मिश्रा पिता/पति/विभाग-दिनेश दत्त मिश्रा पता-पुरानी बस्ती कोहका भिलाई द्वारा ग्राम- कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 403 का टू. रकबा 0.02 हे.= 2000 वर्गफीट भूमि को विक्रेता - कृत राम आ.धनीराम के तरफ से आम मुख्त्यार मोहम्मद इस्माईल आ. स्व. हाजी अब्दुल सलाम से क्रय किया गया था! नामांतरण पश्चात ऋण पुस्तिका में आवेदिका का नाम दर्ज है, किन्तु वर्तमान अभिलेख में आवेदिका के स्थान पर अन्य का नाम प्रदर्शित हो रहा है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 24/08/2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07/08/2026 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा.प्र.क्र./202607101000261/अ-6/वर्ष 2025-26)

प्रति,
संगीता पिता जियालाल
निवासी - सेक्टर 11, जोन-02, खुसीर्पार भिलाई
पक्षकार - जगदीप कुमार पिता स्व. जनक राज
निवासी -अहिवारा, तहसील धमधा जिला दुर्ग

विरूद्ध

अनावेदक-छ.ग. शासन

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. 202607101000261/3-6/वर्ष 2025-26 आवेदक जगदीप कुमार पिता स्व. जनक राज निवासी-अहिवारा, तहसील धमधा जिला दुर्ग द्वारा ग्राम-कुरूद प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 518/2 रकबा 0.007 हे./800 वर्गफीट भूमि को विक्रेता संगीता पिता जियालाल निवासी - सेक्टर 11, जोन-02, खुसीर्पार भिलाई से रजिस्ट्री बैनामा के माध्यम से दिनांक 11.07.2018 को क्रय किया गया था। रजिस्ट्री बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 07/08/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज 14/08/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा.प्र.क्र./202607101000121/अ-6/वर्ष 2025-26)

प्रति,
कमलेश कुमार आ. राजू चौधरी
उमेश (उेश) कुमार आ. राजू चौधरी
निवासी - टाउन भिलाई
पक्षकार -कमलेश कुमार पिता राजू चौधरी
निवासी -नंदिनी नगर भिलाई

विरूद्ध

अनावेदक-छ.ग. शासन

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202606101000121/3-6/वर्ष 2025-26 आवेदक कमेलश कुमार आ. राजू चौधरी निवासी टाउनशीप नंदिनी नगर जिला दुर्ग द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 7277/6 रकबा 0.02 हे./2400 वर्गफीट भूमि को कमलेश कुमार, उमेश कुमार दोनों पिता राजू चौधरी द्वारा रजिस्ट्री बैनामा के माध्यम से दिनांक 01.05.2010 को क्रय किया गया था। आवेदक द्वारा जानकारी अभाव में नामांतरण नहीं कराया गया था। अनावेदक उमेश कुमार आ. राजू चौधरी का नाम विलोपित कर शेष खातेंदार का नाम यथावत रखे जाने हेतु आवेदनमय दस्तोवज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 31/08/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज 23/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

कैमरे के पीछे और बिजनेस की दुनिया

24 साल के नुशांक साहू ने बनाई 'HeyUpOGs', मिली अंतरराष्ट्रीय ख्याति

छत्तीसगढ़ के नुशांक ने बिना पारिवारिक मदद के खड़ी की कंपनी, 2026 में बने बेस्ट डायरेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / इंदौर-भिलाई

दृष्टि और आत्म-सम्मान किसी उम्र के मोहताज नहीं होते। इसे सच कर दिखाया है छत्तीसगढ़ की माटी से ताल्लुक रखने वाले 24 वर्षीय नुशांक साहू ने। जहां अधिकांश युवा इसी उम्र में करियर की दिशा तलाश रहे होते हैं, वहीं नुशांक ने इंदौर को कार्यक्षेत्र बनाकर कंटेंट क्रिएशन एजेंसी 'HeyUpOGs' की नींव रखी और एक Entrepreneur और Director के रूप में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई।

स्वाभिमान के साथ शुरू किया सफर

नुशांक एक आर्थिक रूप से संपन्न परिवार से हैं। उनके पास परिवार के सहयोग से आसान रास्ता चुनने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने अपने दम पर कुछ खड़ा करने का निर्णय लिया। शुरूआती दौर में उन्होंने परिवार से एक भी रुपया वित्तीय मदद के रूप में नहीं लिया। परिवार पर मानसिक तनाव न आए इसलिए उन्होंने घर पर बताया कि वे इंदौर में एक प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट नौकरी कर रहे हैं। सही समय का इंतजार करते हुए उन्होंने HeyUpOGs को आकार दिया।

वह ऐतिहासिक लम्हा तब आया जब भारत ने आईसीसी वर्ल्ड कप जीता। जश्न के माहौल में नुशांक ने इंदौर स्थित अपने ऑफिस से परिवार को वीडियो कॉल कर सच बताया कि वे किसी की नौकरी नहीं, बल्कि अपनी खुद की कंपनी चला रहे हैं। आज वही HeyUpOGs देशभर के प्रमुख ब्रांड्स और कॉरपोरेट्स के लिए भरोसेमंद नाम बन चुकी है।

बिजनेस के साथ सिनेमा और शिक्षा का संगम

नुशांक केवल व्यवसायी ही नहीं, कैमरे के पीछे गहरी सोच रखने वाले क्रिएटर भी हैं। वे फिल्ममेकिंग में डॉक्टरेट कर रहे हैं। व्यापार और सिनेमाई कला के संतुलन ने उन्हें इंडस्ट्री में अलग पहचान दिलाई है।

एक मेंटर के रूप में वे नई पीढ़ी को भी तराश रहे हैं। 'Framing the Future' वर्कशॉप्स के जरिए युवा क्रिएटर्स को विजुअल स्टोरीटेलिंग और मीडिया बिजनेस के व्यावहारिक पहलू सिखाते हैं। साथ ही Sony, Nikon और Panasonic Lumix जैसे वैश्विक ब्रांड्स के साथ मान्यता प्राप्त फिल्म एजुकेटर के रूप में मास्टरक्लासेज भी संचालित कर चुके हैं।

2026 में मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान, अब '7Kand' पर काम

कैमरे के प्रति समर्पण का परिणाम 2026 में मिला जब नुशांक को Best Director के रूप में 2 अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

इस सफलता के बाद वे अब अपने करियर के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। महाकाव्य रामायण के अनसुने पहलुओं पर आधारित उनकी पहली बड़ी फिल्म '7Kand: The Untold Truth' निमार्णाधीन है। हाल ही में जारी फर्स्ट-लुक पोस्टर ने सिनेमा जगत का ध्यान खींचा है। उनकी टीम इस ग्रैंड प्रोजेक्ट को सीधे प्रमुख OTT प्लेटफॉर्म्स के लिए तैयार कर रही है। नुशांक साहू की यह यात्रा युवाओं के लिए प्रेरणा है कि स्वाभिमान, मेहनत और स्पष्ट दृष्टि से कम उम्र में भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

राजेश कुमार सिंह बने रायपुर रेल मंडल के स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्य

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-रायपुर

भिलाई निवासी एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय राजेश कुमार सिंह को रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत स्टेशन सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। उनके मनोनयन पर क्षेत्रवासियों, शुभचिंतकों एवं समर्थकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

नई जिम्मेदारी मिलने पर राजेश कुमार सिंह ने संबंधित नेतृत्व एवं वरिष्ठजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे समिति के माध्यम से रेल यात्रियों की सुविधाओं, यात्री हितों तथा क्षेत्र से जुड़े रेल संबंधी विषयों को प्रमुखता से उठाने का प्रयास करेंगे।

शुभचिंतकों ने कहा कि राजेश कुमार सिंह की जनसेवा के प्रति समर्पण और सक्रियता का लाभ रायपुर रेल मंडल के यात्रियों और आमजन को मिलेगा। समर्थकों ने उनके सफल कार्यकाल एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएं भी प्रेषित की हैं।

बीएसपी लोहा चोरी मामले में, फरार आरोपी अभय सिंह को जमानत, अब तक तीन आरोपियों को मिली जमानत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पुलिस की जांच में अभय सिंह का नाम बाद में सामने आया

पुलिस के मुताबिक, बीएसपी के ब्लास्ट फर्नेस विभाग से आयरन स्क्रैप और डस्ट फ्लू की आड़ में लोहा बाहर निकालने के मामले में संजय सिंह को मुख्य आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने उसके बेटे अभय सिंह पर भी इस मामले में शामिल होने का आरोप लगाया है। जांच आगे बढ़ने के बाद अभय को भी आरोपी बनाया गया था। केस दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस ने संजय और अभय की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था और दोनों को भगोड़ा घोषित किया गया था। बाद में पुलिस ने संजय सिंह को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

भिलाई इस्पात संयंत्र लोहा चोरी मामले में मुख्य आरोपी संजय सिंह के बेटे अभय सिंह को भी हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की कोर्ट ने अभय सिंह को जमानत देने का आदेश जारी किया है। अभय सिंह इस मामले में फरार चल रहा था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था।

अभय सिंह का नाम मामले की मूल FIR में नहीं था। साथ ही उसके खिलाफ पहले से कोई आपराधिक रिकॉर्ड भी नहीं मिला। इन बातों को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने उसे जमानत दे दी। आरोपी अभय सिंह इस मामले में जमानत पाने वाला तीसरा आरोपी है। इससे पहले व्यवसायी हिमांशु खंडेलवाल को 4 अगस्त को अग्रिम जमानत और पूर्व बीएसपी महाप्रबंधक हिमांशु भूषण मलिक को 10 अगस्त को जमानत मिल चुकी है।

अभय सिंह के वकील ने कोर्ट में इन्हीं आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि जब समान आरोपों वाले अन्य आरोपियों को राहत मिल चुकी है, तो अभय सिंह को भी जमानत दी जानी चाहिए। शर्तों के साथ मिली जमानत कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद अभय सिंह को निजी मुचलके और इतनी ही राशि की एक जमानत पेश करने पर रिहा करने का आदेश दिया। हालांकि, कोर्ट ने जमानत के साथ कुछ शर्तें भी लगाई हैं। अभय को जांच और ट्रायल में सहयोग करना होगा। वह किसी गवाह को प्रभावित नहीं कर सकेगा और हर सुनवाई के दौरान कोर्ट में उपस्थित रहना होगा।

हिमांशु खंडेलवाल जमानत के दस्तावेज लेकर पहुंचे

इसके अलावा जमानत मिलने के बाद व्यवसायी हिमांशु खंडेलवाल गुरुवार को जमानत से जुड़े दस्तावेज लेकर भिलाई थाने पहुंचे थे। हालांकि पुलिस की ओर से जरूरी कार्रवाई पूरी नहीं होने के कारण उन्हें वापस

लौटना पड़ा। अब दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनकी रिहाई की आगे की कार्रवाई होगी।

दो आरोपियों को बेमेतरा जेल में किया शिफ्ट

मामले में गुरुवार को एक और बदलाव देखने को मिला। मुख्य आरोपी संजय सिंह और पूर्व भाजपा नेता भास्कर मुदलियार को दुर्ग जेल से बेमेतरा जेल शिफ्ट कर दिया गया। हालांकि दोनों को अचानक दूसरी जेल भेजने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100